सांध्य दैनिक
4PM
जिद...सच की
www.4pm.co.in www.facebook.com/4pmnewsnetwork @Editor_SanjayS YouTube @4pm NEWS NETWORK
● वर्ष: 11 ● अंक: 66 ● पृष्ठ: 8 ● लखनऊ, गुरुवार, 10 अप्रैल, 2025
मूल्य ₹ 3/-

कमजोर कभी क्षमाशील नहीं हो सकता है। क्षमाशीलता ताकतवर की निशानी है।

-महात्मा गांधी

जीत की लय बरकरार रखना चाहेंगी... 7 | बिहार में चल रही भ्रम की... 3 | भाईचारा व सौहार्द को बनाए... 2

नीतीश कुमार बनेंगे उप प्रधानमंत्री!

» राजनीतिक गोटियां बिछना शुरू, बिहार में चुनाव से पहले बदलाव संभव

» सुशासन बाबू से संतुलन बाबू तक बनने का नीतीश कुमार का सियासी सफर होगा पूरा

» बीजेपी रणनीतिकारों ने मथी बिहार की राजनीति

» नीतीश के लिए सत्ता ही सबसे बड़ा सत्य

□□□ 4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। देश की जनता को जल्द ही दो-दो शपथग्रहण देखने को मिलेंगे। एक शपथ ग्रहण केन्द्र की मोदी सरकार में होगा और दूसरा बिहार में। बिहार के सीएम नीतीश कुमार इस्तीफा देंगे और केन्द्र सरकार में उप-प्रधानमंत्री बनेंगे।

वही बिहार के सीएम के तौर विजय चौधरी और ललन सिंह का नाम बराबरी पर चल रहा है। दोनों में से किसी एक को नीतीश कुमार प्राक्सी मुख्यमंत्री बना कर खुद दिल्ली की राजनीति में ताकत हासिल करेंगे। विजय चौधरी मौजूदा सरकार में शिक्षा मंत्री है और नीतीश के बेहद करीबी माने जाते हैं वही ललन सिंह जदयू के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष रह चुके हैं। ललन सिंह को बीजेपी पंसद नहीं करती है।

अश्विनी चौबे ने साफ कर दी तस्वीर

पूर्व केंद्रीय मंत्री अश्विनी चौबे के ताजा बयान ने राजनीतिक परिदृश्य स्पष्ट कर दिया है। उन्होंने कहा है कि नीतीश कुमार का उप-प्रधानमंत्री बनना बिहार के लिए गौरव का विषय होगा। उन्होंने कहा अगर उन्हें उप-प्रधानमंत्री बनाया जाता है तो यह बिहार को जगजीवन राम के बाद एक और बड़ा सम्मान मिलेगा जो राज्य के लिए अत्यंत लाभकारी सिद्ध हो सकता है। इस बयान के जरिए जहां नीतीश कुमार के राजनीतिक कद को लेकर नई चर्चा शुरू हो गई है वहीं इसे भाजपा की रणनीतिक चाल भी माना जा रहा है।

4पीएम पहले ही बता चुका है

4 पीएम न्यूज नेटवर्क इस बात को पहले ही बता चुका है कि सर्वे इस बात की तस्दीक कर चुके हैं कि यदि नीतीश कुमार को मुख्यमंत्री के तौर पर पेश किया गया तो एनडीए का डिब्बा बिहार चुनाव में गुल हो जाएगा। नीतीश की थक चुकी छवि और बार-बार पाला बदलने से लोग ऊब चुके हैं और वह नीतीश को बदलने के मूड में हैं। यह जो कुछ भी हो रहा है वह बिहार की जनता को लम्बी से चाय पिलाने जैसा है। वक्फ संशोधन बिल के पास होने के बाद नीतीश की छवि को धक्का लगा है और मुसलमान नाराज बताये जा रहे हैं। हालांकि यह भी सही है कि नीतीश को मुस्लिम बाहुल्य सीटों पर 15 फीसदी तक वोट उस समय हासिल हुआ था जब वह एनडीए के संयोजक थे।

बिहार और बंगाल पर बीजेपी की नजर

देश के सिर्फ दो ऐस राज्य बचे हैं जहां बीजेपी पूरी ताकत के साथ सत्ता पर काबिज होने से अभी भी दूर है। एक बिहार है और दूसरा बंगाल। दोनो ही राज्यों में चुनाव होना है। बंगाल से पहले बिहार में चुनाव है और बीजेपी पूरी ताकत के साथ इन चुनावों में हिस्सा ले रही है। पूर्व में जो राजनीतिक गल्तियां बीजेपी से हुई हैं वह इस बार वह उन से परहेज कर रही है या फिर दूरी बना कर चल रही है।

दो नावों की सवारी में माहिर

नीतीश कुमार ने बिहार की राजनीति को हिंदुत्व और सेक्युलरिज्म रूपी दो ध्रुवों में बांट रखा है और खुद बीच में खड़े होकर दोनों तरफ के वोट खींच लेते हैं। वे एनडीए में रहकर मुसलमानों को लिप-सर्विस देते हैं और राजद की विफलताओं की याद दिलाकर पिछड़े वर्ग को साधते हैं। नीतिश कुमार हर बार सत्ता परिवर्तन के पहले अपनी छवि को रिब्रांड करते हैं। 2005 के बिहार चुनाव में उन्होंने खुद को सुशासन बाबू के नाम पर पेश किया और 2010 आते-आते वह विकास पुरुष बन गये। 2015 में उन्होंने अपनी छवि संविधान रक्षक के तौर पर डेवलप की और 2020 के मुख्यमंत्री बनने से पहले उन्होंने खुद को अनिच्छुक मुख्यमंत्री के तौर पर पेश किया। 2025 के चुनाव में वह खुद को संघर्षशील बुजुर्ग नेता के तौर पर पेश कर रहे हैं।

नीतीश की पॉलिटिक्स

बिहार की राजनीति में नीतीश कुमार एक ऐसा नाम है जो हमेशा सत्ता के समीकरणों में सबसे निर्णायक किरदार निभाता है। चाहे लालू प्रसाद यादव की सामाजिक न्याय की राजनीति हो या फिर नरेंद्र मोदी की न्यू इंडिया पॉलिटिक्स नीतीश दोनों ही जगह फिट बैठते हैं। वह सुशासन बाबू के नाम से जाने जाते हैं लेकिन उनका असली खेल सत्ता की गोटियों को बारीकी से बिछाना है। नीतीश कुमार की राजनीति का मूल मंत्र स्थिरता नहीं संतुलन है। नीतीश कुमार कभी भी किसी विचारधारा के पक्के समर्थक नहीं रहे। उनके लिए सत्ता ही सबसे बड़ा सत्य है। वे बीजेपी के साथ भी रहे आरजेडी के साथ भी रहे। यहां तक कि 2013 में बीजेपी से नाता तोड़कर 2015 में महागठबंधन बनाया और फिर 2017 में वापस बीजेपी के साथ आ गए।

तेजस्वी या नीतीश?

बिहार चुनाव की पिच तैयार है और बीजेपी 50–50 राजनीतिक पैटर्न पर चुनाव लड़ने जा रही है। यानि हिंदू–मुस्लमान, वक्फ संशोधन बिल और नीतीश को दिल्ली भेजने के बाद बीजेपी खुल कर चुनाव लड़ेगी। यानि कि यह चुनाव पूरी तरह से तेजस्वी और बीजेपी के बीच होने जा रहे हैं। ऐसे में पशुपति पारस, चिराग पासवान, साधू यादव, जीतन राम मांझी और पीके। यह सभी राजनीतिक चेहरे अति महत्वपूर्ण हो गये हैं। बीजेपी इस बार भी बांटो और राज करो के मूल–मंत्र को अपनाएगी। लेकिन इसके बरअक्स एक और पहलू है जो चल रहा है और वह यह है कि बिहार के युवा अब इमोशन नहीं इकोनॉमिक्स पर वोट कर रहा है। और बीजेपी की सियासी इक्वेनोमिक्स इस दिशा में फेल दिखायी दे रही है। बाढ़, रोजगार और पलायन जैसे मुद्दे तेजी से बिहार की हवा में घुल रहे हैं। राहुल गांधी की समझदार राजनीति और तेजस्वी की युवाओं को टारगेट कर बनाई गयी रणनीति ने बीजेपी की रातों की नींद उड़ा रखी है। और आज का जो सियासी अपडेट है वह उसी उड़ चुकी नींद की एक प्रतिक्रिया भर है।

भाईचारा व सौहार्द को बनाए रखें : अखिलेश यादव

» लखनऊ में सपा प्रमुख ने दिया सद्भाव का संदेश

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। समाजवादी पार्टी के प्रदेश मुख्यालय लखनऊ में ''आओ गले मिलें'' कार्यक्रम के तहत होली-ईद मिलन सद्भाव समारोह का आयोजन हुआ। अखिलेश यादव ने उन्हें शॉल ओढ़ाकर सह्ह111म्मानित किया। अपने संबोधन में अखिलेश यादव ने कहा, हमारा देश गंगा-जमुनी तहजीब का प्रतीक है। यहां हर त्योहार मिलजुल कर मनाया जाता है। यही हमारी ताकत है, यही हमारी पहचान है। उन्होंने इस आयोजन को भाईचारे और सौहार्द का उत्सव बताया।

इस अवसर पर सभी धर्मों, संप्रदायों और समुदायों के धर्मगुरुओं, गणमान्य नागरिकों और समाज के विभिन्न वर्गों के प्रतिनिधियों ने एकत्र होकर एकता, भाईचारे और आपसी प्रेम का संदेश दिया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव थे। उनके साथ मैनपुरी की सांसद डिंपल यादव समारोह में उपस्थित रहीं। उन्होंने सभी को होली की शुभकामनाएं और ईद की मुबारकबाद दी। इस अवसर पर अंतरराष्ट्रीय ख्यातिप्राप्त म्यूजिशियन ब्रायन सिलास ने अपनी सुमधुर प्रस्तुति से सभी को मंत्रमुग्ध कर दिया। उन्होंने पियानो पर लता मंगेशकर और अनुराधा पौडवाल के गीतों के साथ-साथ बॉलीवुड संगीत की यादगार धुनें प्रस्तुत कीं।

सद्भाव समारोह में शामिल प्रमुख धर्मगुरुओं और विशेष जनों में मौलाना खालिद रशीद फिरंगी महली, मौलाना याकूब अब्बास, मौलाना फजले मन्नान, ज्ञानी गुरमेहर सिंह, विशप जेराल्ड जॉन मथायस, फादर रॉबर्ट क्वाडरस, मौलाना कल्बे सिब्तैन नूरी, पंडित रवीन्द्र दीक्षित, उदय प्रताप सिंह (पूर्व सांसद), डॉ. साबिरा हबीब, प्रो. दिनेश कुमार, प्रो. वंदना, ताहिरा हसन सहित अनेक धर्म, शिक्षा और समाजसेवा के क्षेत्र की हस्तियां मौजूद रहीं। इस कार्यक्रम में समाजवादी पार्टी के वरिष्ठ नेता शिवपाल सिंह यादव, रामगोविंद चौधरी, राजेन्द्र चौधरी, ओम प्रकाश सिंह, रविदास मेहरोत्रा, अबू आसिम आजमी सहित कई विधायक, पूर्व विधायक, सांसद और एमएलसी भी उपस्थित थे।

बीजेपी को ऐसी भाषा बोलने का आत्मविश्वास कहां से मिल रहा

सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने भी रेखा गुप्ता की टिप्पणियों की कड़ी आलोचना की और पूछा, उन्हें ऐसी भाषा बोलने का आत्मविश्वास कहां से मिल रहा है? यादव ने कहा, हमें यह (रेखा गुप्ता की टिप्पणी) सुनने की जरूरत है। उन्हें ऐसी भाषा बोलने का आत्मविश्वास कहां से मिल रहा है? इस बीच यादव ने उत्तर प्रदेश सरकार की भी आलोचना की और आरोप लगाया कि राज्य सरकार ने एक छिपी हुई भूमिगत सेना तैयार की है जो लोगों का अपमान कर रही है।

यूपी के किसानों की दुर्दशा के लिए भाजपा जिम्मेदार

समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष अखिलेश यादव ने उत्तर प्रदेश में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) नीत सरकार पर निशाना साधते हुए सोमवार को आरोप लगाया कि टमाटर की पैदावार करने वाले किसान अपनी लागत भी नहीं निकाल पा रहे हैं, जो दिखाता है कि सरकार कृषक समुदाय की कितनी ''उपेक्षा'' करती है। यादव ने 'एक्स' पर पोस्ट कर कहा, उत्तर प्रदेश में 'टमाटर किसानों' की लागत भी नहीं निकलना बताता है कि भाजपा सरकार खेती-किसानी की कितनी उपेक्षा करती है। दरअसल भाजपाई उत्पादन में नहीं बल्कि किसी भी चीज को खरीदने-बेचने के काम को बढ़ावा देते हैं, जिससे बीच में कमाया जा सके।' उन्होंने आरोप लगाया कि अर्थव्यवस्था और राजनीति दोनों के लिए भाजपा का दृष्टिकोण बिचौलियों के इर्द-गिर्द केंद्रित है। यादव ने कहा, भाजपाई किसानों की जमीन और कारोबार को बड़े स्तर पर पूंजीपतियों को दे देना चाहते हैं, जिससे उनसे सीधे मोटा चंदा वसूला जा सके। इस बात का प्रमाण वो काले कानून थे, जो भाजपा सरकार अपने गलत मंसूबों की वजह से लाई तो थी परंतु किसानों की जागरुकता और एकता के कारण लागू न कर सकी।

गलत नीतियों की वजह से 'छुट्टा जानवरों' की समस्या आई

उन्होंने आवारा पशुओं की समस्या के लिए भी भाजपा को जिम्मेदार ठहराया और कहा कि यह पार्टी की ''गलत नीतियों'' का सीधा नतीजा है। सपा अध्यक्ष ने कहा, ''भाजपा सरकार खेतीबाड़ी के काम को लगातार हतोत्साहित करती है। भाजपा ने ही अपनी गलत नीतियों की वजह से 'छुट्टा जानवरों' की समस्या को जन्म दिया है जिससे फसलें पशु खा जाएं और किसान खेती से हताश होकर किसानी का काम छोड़ दे और जमीनों पर भाजपाई पूंजीपतियों का कब्जा हो जाए।

सपा की 6 महिला नेताओं के खिलाफ एफआईआर दर्ज

समाजवादी पार्टी की 6 नामजद महिला नेताओं और 7 से 25 अज्ञात लोगों के खिलाफ एफआईआर दर्ज की गई है। पायल किन्नर, जूही सिंह, सुमैया राणा, बीना रावत, सुमन यादव और वंदना चतुर्वेदी के खिलाफ एफआईआर दर्ज की गई है। कल उन्होंने लखनऊ में दिल्ली के मुख्यमंत्री के खिलाफ प्रदर्शन किया था। समाजवादी पार्टी की महिला विंग ने मंगलवार को उत्तर प्रदेश के पूर्व सीएम अखिलेश यादव पर उनके कथित बयान को लेकर दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता के खिलाफ विरोध प्रदर्शन किया। दिल्ली के सीएम गुप्ता ने कथित तौर पर एक मीडिया चैनल को दिए इंटरव्यू में अखिलेश यादव को टॉटी चोर कहा था। दिल्ली के सीएम के खिलाफ विरोध प्रदर्शन करते हुए समाजवादी पार्टी के एक कार्यकर्ता ने रेखा गुप्ता से माफी मांगने या इस्तीफे की मांग की। समाजवादी पार्टी के एक कार्यकर्ता ने कहा, हम दिल्ली की सीएम रेखा गुप्ता के खिलाफ प्रदर्शन कर रहे हैं। उन्होंने हमारे पार्टी प्रमुख और पूर्व सीएम, जो एक सांसद भी हैं (अखिलेश यादव) के खिलाफ एक विवादास्पद बयान दिया है...उन्हें माफी मांगनी चाहिए या फिर इस्तीफा दे देना चाहिए। वह सीएम बनने के लायक नहीं हैं।

सांसद रामजीलाल सुमन इलाहाबाद हाईकोर्ट पहुंचे, लगाई सुरक्षा की गुहार

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

प्रयागराज। राणा सांगा पर विवादित बयानबाजी करने वाले समाजवादी पार्टी के राज्यसभा सांसद रामजीलाल सुमन को अब अपनी सुरक्षा को लेकर डर महसूस होने लगा है। अपने लिए सुरक्षा की पुख्ता मांग को लेकर उन्होंने अब अदालत का दरवाजा खटखटाया है।

सांसद रामजी लाल सुमन और उनके बेटे पूर्व विधायक रंजीत सुमन ने इलाहाबाद हाईकोर्ट में याचिका दाखिल की है। याचिका में आगरा स्थित घर पर हमले और धमकियों के बाद केंद्रीय सुरक्षा मुहैया कराए जाने का आदेश दिए जाने की अपील की गई है। इसके साथ ही आगरा स्थित घर पर हुए हमले और तोड़फोड़ के मामले में उच्च स्तरीय जांच कर कर दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई किए जाने की भी अपील की गई है। अपने लिए केंद्रीय सुरक्षा के साथ ही परिवार के सदस्यों और आवास की सुरक्षा के भी पुख्ता इंतजाम किए जाने की मांग की गई है। आगरा के पुलिस कमिश्नर को इस बात का निर्देश दिए जाने की मांग की गई है कि दोबारा कोई घटना न होने पाए। राणा सांगा पर विवादित बयान देने के बाद रामजी लाल सुमन निशाने पर आए थे। सांसद रामजीलाल सुमन लगातार अपने बयान पर कायम हैं। पिछले हफ्ते आगरा स्थित उनके घर पर हमला भी हुआ था। इलाहाबाद हाईकोर्ट में दाखिल रामजीलाल सुमन की इस याचिका पर अधिवक्ता विनीत विक्रम और सीनियर एडवोकेट इमरान उल्ला दलीलें पेश करेंगे।

'आहूजा को पार्टी से निलंबित करना सिर्फ नाटक'

भाजपा पर बिफरे कांग्रेस नेता डोटासरा, बोले- गिरफ्तारी होनी चाहिए

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

जयपुर। कांग्रेस महाअधिवेशन के बाद जयपुर पहुंचे राजस्थान पीसीसी चीफ गोविंद सिंह डोटासरा ने एयरपोर्ट पर मीडिया से बातचीत के दौरान भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) पर तीखा हमला बोला। उन्होंने कहा कि भाजपा का असली चरित्र अब देश के सामने आ चुका है। डोटासरा ने कहा कि भाजपा की दलित विरोधी सोच उजागर हो चुकी है।

ज्ञानदेव आहूजा को पार्टी से निलंबित करने का सिर्फ नाटक किया गया, लेकिन उनके खिलाफ न तो कोई केस दर्ज हुआ, न ही कोई कार्रवाई की गई। इस तरह के व्यक्ति को गिरफ्तार तक नहीं किया गया। पूर्व मुख्यमंत्री द्वारा राज्य सरकार की कार्यशैली पर सवाल उठाना, उनके खुद के कार्यकाल की विफलताओं को छुपाने का प्रयास है। वहीं नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली ने भी मीडिया से बात करते हुए कहा कि उनके मन में बीते दो दिनों से पीड़ा थी, जिसे कांग्रेस नेता राहुल गांधी और राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने समझा और अधिवेशन में उसका जिक्र किया। जूली ने कहा कि भाजपा जाति-पांति और छुआछूत में विश्वास रखती है। विधानसभा सत्र के दौरान भी मैंने सवाल उठाया था कि क्या बीजेपी अपने स्थापना दिवस पर अस्पृश्यता को मिटाने की बात करेगी? मेरे इस सवाल का विरोध किया गया। जब एक दलित व्यक्ति, जिसे संविधान ने कैबिनेट मंत्री का दर्जा दिया है, उसके साथ ऐसा व्यवहार हो सकता है तो आम दलितों की सुरक्षा का क्या होगा?

राहुल गांधी करेंगे रणथंभौर का दौरा

कांग्रेस नेता राहुल गांधी आज जयपुर से रणथंभौर के लिए रवाना हो गए हैं। वह कल सुबह रणथंभौर नेशनल टाइगर रिजर्व में सफारी करेंगे। वन विभाग पूरी तरह अलर्ट मोड पर है और कल सुबह की टाइगर सफारी के लिए विशेष व्यवस्थाएं की गई हैं।

पानी की समस्या पर वसुंधरा राजे की नाराजगी का असर

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

जयपुर। पेयजल संकट पर राजस्थान में पूर्व सीएम वसुंधरा राजे की नाराजगी के बाद केंद्र सरकार ने सख्ती दिखाई है। केंद्र ने पेयजल संकट पर राजस्थान सरकार से तत्काल रिपोर्ट मांगी है। केंद्रीय जलशक्ति मंत्री सीआर पाटिल ने सोशल मीडिया पर लिखा कि झालावाड़ में जल संकट को लेकर वसुंधरा राजे की उठाई गई चिंता को गंभीरता से लिया है। राजस्थान सरकार से तथ्यात्मक रिपोर्ट मांगी गई है।

बता दें कि पूर्व सीएम वसुंधरा राजे ने झालावाड़ जिले के कई इलाकों में पानी संकट को लेकर अफसरों को फटकार लगाई थी। रायपुर कस्बे में लोगों की शिकायत पर उन्होंने सख्त रुख अपनाते हुए अफसरों पर तल्ख टिप्पणी की। राजे ने एक्स पर लिखा कि क्या जनता को प्यास नहीं लगती? सिर्फ आप अफसरों को ही लगती है। गर्मी में पेयजल संकट के कारण जनता त्रस्त है। अफसर तृप्त हैं। पानी कागजों में नहीं, लोगों के होठों तक पहुंचे। अफसर सो रहे हैं, लोग रो रहे हैं। मैं ऐसा नहीं होने दूंगी। इस मुद्दे पर नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली ने सोशल मीडिया पर लिखा- जब पूर्व सीएम मजबूर तो आम आदमी की क्या हालत होगी।

बिहार में चल रही भ्रम की सियासत

भाजपा व कांग्रेस के बयान बने असमंजस

» राजग गठबंधन का चेहरा होंगे नीतीश

» महागठबंधन में अभी कुछ तय नहीं

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

पटना। बिहार में चुनाव की तारीखों का समय-जैसे-जैसे करीब आता जा रहा है वहां की राजनीति भी नए-नए रंग में दिखने लगा है। राज्य में दो प्रमुख गठबंधन काम कर रहे है। एक राजग गठबंधन व दूसरा महागठबंधन। दोनों ने अपने-अपने सियासी तरकशों को संवारना शुरू कर दिया है। पर दोनों में कभी-कभी एक जैसी व्यवस्था दिख जाती है। दोनों प्रमुख पार्टियां कांग्रेस व भाजपा अपने सहयोगियों को लेकर भ्रमित हो जाती हैं।

हालांकि भाजपा बार-बार यह जरूर कहती है कि उसके सहयोगी जदयू के नीतीश कुमार ही उनके सीएम के चेहरे होंगे पर कुछ नेता दूसरी तरह का बयान देकर भ्रम पैदा कर देते हैं। वहीं कांग्रेस भी बीजेपी के रास्ते पर चल रही है। वह तेजस्वी यादव को तो भ्रमित कर ही रही साथ ही पप्पू यादव के बाद अब कन्हैया कुमार पर दांव लगाने की योजना बाना रही है। राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन बिहार में मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के चेहरे पर चुनाव नहीं लड़ेगा- महागठबंधन के तमाम दिग्गज बीच-बीच में इस बात को उठाकर भारतीय जनता पार्टी के साथ-साथ जनता दल यूनाईटेड को भ्रमित करते हैं। लेकिन, दूसरी तरफ भी आग उसी तरह की है।

कन्हैया भूमिहार होकर भी वाम चेहरा

राहुल गांधी ने सोमवार को पहले बेगूसराय में कन्हैया कुमार के साथ पदयात्रा की और फिर पटना में गरीब-गुरबों, दलित-पिछड़ों की बात की, यह तेजस्वी यादव और लालू प्रसाद यादव के लिए आया संकेत ही है। कन्हैया कुमार बिहार की बेगूसराय सीट पर 2019 में गिरिराज सिंह से करारी हार के बाद दिल्ली की राजनीति करने लौट गए थे। इस बार कन्हैया कुमार को कांग्रेस ने भले अपने हटाए गए प्रदेश अध्यक्ष अखिलेश प्रसाद सिंह के भूमिहार चेहरे की भरपाई के लिए दिखावट के रूप में लाया है, लेकिन अंदर की बात यही है कि वह इस जाति के होकर भी वाम चेहरा हैं। मतलब, गरीब-गुरबों के बीच का चेहरा। राहुल गांधी ने लालू प्रसाद के वोटरों को लक्ष्य कर भी एक तरह से संदेश दिया है कि कांग्रेस किसी को आगे कर सकती है। वह चेहरा कौन होगा, यह राहुल गांधी अभी पत्ता नहीं खोल रहे। चेहरे के रूप में कन्हैया कुमार की बिहार वापसी को देखें तो यह तेजस्वी यादव के लिए सहज नहीं है।

भ्रम की आग। बिहार विधानसभा चुनाव में अभी लगभग सात महीने बाकी हैं, लेकिन कांग्रेस की सक्रियता देखकर राष्ट्रीय जनता दल के अंदर कहीं-न-कहीं

तेजस्वी कन्हैया को लेकर असहज

जब कन्हैया 2019 के चुनाव में वामपंथी प्रत्याशी थे, तो राजद ने बेगूसराय में अपना भी प्रत्याशी उतार दिया था। दोनों मिलाकर भी भाजपाई गिरिराज सिंह से भले दूर रहे हों, लेकिन यह संदेश साफ था कि राजद कन्हैया कुमार को बिहार में बढ़ते नहीं देखना चाहता है। ऐसे में एक बार फिर कन्हैया ने जब बिहार में वापसी की है तो राजद के अंदर भ्रम की स्थिति है। कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष तेजस्वी यादव को सीएम का चेहरा तो बता रहे हैं, लेकिन राहुल गांधी के मुंह से निकली योजना और कन्हैया कुमार की सक्रियता से राजद का भ्रमित होना स्वाभाविक भी है।

तब पप्पू के कारण राजद ने कर दिया था खेल

लोकसभा चुनाव के पहले राजेश रंजन उर्फ पप्पू यादव ने दिल्ली जाकर अपनी जन अधिकार पार्टी का कांग्रेस में विलय कराते हुए इसकी सदस्यता ली थी। दिल्ली जाने से पहले पप्पू यादव राष्ट्रीय जनता दल के राष्ट्रीय अध्यक्ष लालू प्रसाद यादव और बिहार विधानसभा में विपक्ष के नेता तेजस्वी यादव से मिलने आए थे। इस मुलाकात के अगले दिन पप्पू यादव ने अपनी पार्टी- जाप का कांग्रेस में विलय करा दिया। दिल्ली से लौटते समय पप्पू यादव पूरी तरह निश्चिंत थे कि उन्हें पूर्णिया लोकसभा सीट पर चुनाव लड़ने के लिए मिल जाएगा।

लेकिन, जानकार बताते हैं कि यादवों के बीच तेजस्वी यादव के समकक्ष कोई खड़ा न हो, इसलिए लालू यादव ने कांग्रेस को किनारे करते हुए पूर्णिया सीट पर बीमा भारती को राजद का चुनाव चिह्न सौंप दिया। सामने बात यही रही कि उधेड़बुन की स्थिति जरूर है। जिस तरह से अचानक कन्हैया कुमार बिहार कांग्रेस

बीमा को आश्वासन पहले से दिया गया था, लेकिन अंदर की बात कांग्रेस की पूरी रणनीति को ध्वस्त करने की थी। पप्पू यादव को किनारे किए जाने के मामले में बाहर-बाहर तत्कालीन प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष अखिलेश प्रसाद सिंह खलनायक बने, लेकिन खेल कहीं और से हो चुका था। नतीजा यह रहा कि पप्पू यादव को कांग्रेस ने अपना सदस्य तक मानने से इनकार कर दिया। निर्दलीय लड़े, जीते, कांग्रेस के प्रति ही आस्था जताई; लेकिन सबकुछ वह एकतरफा ही करते रहे। दूसरी तरफ से प्रेम का इजहार नहीं हुआ।

में सक्रिय हुए हैं, उससे अंदरखाने गजब की हलचल है। खासकर राजद में।

बंगाल में नहीं थम रहा सियासी बवाल

» भाजपा व टीएमसी में बढ़ी तकरार

» बांग्लोदश से लेकर काली माता पर रार

» ममता सरकार पर बीजेपी का हमला

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

कोलकता। पश्चिम बंगाल में चुनाव 26 में हैं पर वहां पर 25 में ही सियासी बिसात बिछने लगी है। भाजपा हर मंच से ममता सरकार को घेरने में लगी है। चाहे वह टीएमसी की अंदर की कलह हो या सरकारी नीतियों में हिंदुओं से संबंधित कोई निर्णय भाजपा बिना देर किए टीमएसी पर हमलावर हो जाती है। अभी हाल में भाजपा ने पश्चिम बंगाल की ममता सरकार पर गंभीर आरोप लगाते हुए राज्य की तुलना बांग्लादेश से कर दी।

भाजपा ने नेता अमित मालवीय ने कहा कि बंगाल में कानून-व्यवस्था की स्थिति नियंत्रण से बाहर होती जा रही है। उन्होंने कहा कि यह तेजी से बांग्लादेश में देखी गई हिंसक घटनाओं जैसी हो रही है। दरअसल मालवीय मुर्शिदाबाद की घटना को लेकर हमला बोल रहे थे। भाजपा ने बंगाल में बिगड़ती हुई कानून-व्यवस्था पर चिंता जताई है। पार्टी ने हाल ही में हुई हिंसक घटनाओं की ओर इशारा किया है, जिससे

पीएम मोदी के मां काली पर बयान के बाद भाजपा व टीएमसी में तेज हुई तकरार

अपनी सांसद महुआ मोइत्रा के बयान से किनारा करने के बावजूद मां काली पर मचे विवाद से टीएमसी का पीछा छूटना मुश्किल दिख रहा है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने देश पर मां काली के आशीर्वाद और उनके प्रति आस्था को पवित्र बताकर इस विवाद को नया आयाम दे दिया है। पीएम ने किसी का नाम नहीं लिया, लेकिन इ से महुआ मोइत्रा के बयान से मचे विवाद से जोड़कर देखा जा रहा है। पीएम के बयान के तत्काल बाद मुख्यमंत्री ममता बनर्जी पर हमला कर भाजपा आइटी सेल के प्रमुख रामकृष्ण मिशन से जुड़े संत आत्मस्थानंद जी की 100वीं

जयंती पर आयोजित समारोह को वर्चुअल संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री मोदी ने मां काली की चेतना को सिर्फ बंगाल और भारत ही नहीं बल्कि संपूर्ण जगत में विद्यमान बताया। बंगाल में घर-घर मनाई जाने वाले काली पूजा को भी उन्होंने इसी चेतना का प्रतीक बताया।

महुआ मोइत्रा ने दिया था विवादित बयान

जहां महुआ मोइत्रा ने मां काली को मांस खाने और शराब स्वीकारने वाली बताया था, वहीं प्रधानमंत्री मोदी ने मां काली के प्रति आस्था को पवित्र और पथप्रदर्शक बताया। उनके अनुसार स्वामी विवेकानंद जैसे विराट व्यक्तित्व का स्वरूप इसी मां काली की आध्यात्मिक ऊर्जा से मिला था। पीएम ने कहा कि मां काली का आशीर्वाद हमेशा भारत के साथ रहा है और उसी के सहारे वह आगे बढ़ रहा है। मालवीय पर पलटवार करते हुए मोइत्रा ने कहा कि जिस तरह प्रधानमंत्री के दीदी ओ दीदी के बयान के बाद भाजपा को विधानसभा चुनाव में मुंह की खानी पड़ी थी, वही गति मां ओ मां के बयान के बाद भी होगी।

भाजपा के निशाने पर ममता बनर्जी

मां काली को लेकर प्रधानमंत्री के वक्तव्य को महुआ मोइत्रा के बयान से जोड़ते हुए भाजपा ने ममता बनर्जी के खिलाफ हमला तेज कर दिया। अमित मालवीय ने कहा कि जहां प्रधानमंत्री मोदी मां काली को बंगाल ही नहीं, पूरे भारत की आस्था का केंद्र बता रहे हैं, वहीं टीएमसी सांसद उनका अपमान कर रही हैं।

मुर्शिदाबाद की घटना पर रिएक्शन

अमित मालवीय का यह बयान मुर्शिदाबाद जिले में हुई हिंसक घटना के बाद आया है। उन्होंने बताया कि कैसे ममता बनर्जी के समर्थकों ने नवादा ब्लाक में स्थित पटिकाबारी बाजार में हिंदुओं के स्वामित्व वाली दुकानों और संपत्तियों में तोड़फोड़ की और आग लगा दी। अमित मालवीय ने लिखा- कुछ ही घंटे पहले ममता बनर्जी के चरमपंथी समर्थकों ने मुर्शिदाबाद जिले के नवादा ब्लॉक में हिंदुओं की दुकानों और संपत्तियों में तोड़फोड़ की और आग लगा दी। यह कोई अकेली घटना नहीं है। पिछले 48 घंटों में मंदिरों को अपवित्र किए जाने की कई खबरें सामने आई हैं, जो हिंसा की व्यापक प्रकृति को रेखांकित करती है।

राज्य के निवासी डरे हुए हैं।भाजपा नेता अमित मालवीय ने एक्स पर पोस्ट कर बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी पर बढ़ती अशांति को नियंत्रित करने में विफल रहने का आरोप लगाया। उन्होंने लिखा, बंगाल में कानून-व्यवस्था की स्थिति नियंत्रण से बाहर होती जा रही है। यह तेजी से बांग्लादेश में देखी गई हिंसक घटनाओं जैसी हो रही है।

Sanjay Sharma

editor.sanjaysharma
@Editor_Sanjay

जिद... सच की

सूदखोरों से बचाने के उपाय निकालना जरूरी

नाबार्ड की हाल ही मार्च, 25 में जारी रिपोर्ट से जहां इस बात का संतोष होता है कि ग्रामीण क्षेत्र में संस्थागत ऋण प्रवाह का दायरा बढ़ा हैं वहीं यह भी चिंता चिंताजनक हालात सामने आये हैं कि गैरसंस्थागत स्रोतों से जरुरत के समय कर्ज प्राप्त करने वाले ग्रामीणों में से करीब साढ़े सात फीसदी लोगों को 50 फीसदी से भी अधिक ब्याजदर से कर्ज चुकाना पड़ रहा है।

रिजर्व बैंक आफ इंडिया ने रेपो दर न बढ़ाकर कर्ज लेने वालों को राहत दी है। सबसे ज्यादा इसका असर या लाभ मध्यवर्ग को होगा। पर इन सबके इतर नाबार्ड की हाल ही मार्च, 25 में जारी रिपोर्ट से जहां इस बात का संतोष होता है कि ग्रामीण क्षेत्र में संस्थागत ऋण प्रवाह का दायरा बढ़ा हैं वहीं यह भी चिंता चिंताजनक हालात सामने आये हैं कि गैरसंस्थागत स्रोतों से जरुरत के समय कर्ज प्राप्त करने वाले ग्रामीणों में से करीब साढ़े सात फीसदी लोगों को 50 फीसदी से भी अधिक ब्याजदर से कर्ज चुकाना पड़ रहा है। इससे यह साफ हो जाता है कि एक बार गैर संस्थागत स्रोत से कर्जदार बने तो फिर कर्ज के मकड़जाल से निकलना असंभव नहीं तो बहुत ही मुश्किल भरा होगा। इन रिपोर्टों का आने के बाद अब सरकारों को ग्रामीण क्षेत्रों में भी बैंकिंग क्षेत्र को मजबूत करना होगा। यानि सरकारी बैंकों का गांवो में ऋण को ऐसे ग्रामीणों में ज्यादा से ज्यादा बांटना चाहिए। नाबार्ड की रिपोर्ट को ही आधार मानकर चले तो सितंबर, 24 में जुटाये आंकड़ों के अनुसार 17.6 फीसदी लोग अपनी रुपये पैसे की तात्कालीक जरुरतों को पूरा करने के लिए गैर संस्थागत स्रोतों पर निर्भर है।

हालाकि इसमें करीब साढ़े तीन फीसदी का सुधार है पहले 21.1 प्रतिशत ग्रामीण अपनी ऋण जरुरतों को पूरा करने के लिए गैर संस्थागत स्रोतों पर निर्भर थे। फिर भी हमारी ग्रामीण संस्कृति की इस खूबी की सराहना करनी पड़ेगी कि आज भी 31.7 प्रतिशत रिश्तेदार या परिचित ऐसे हैं जो दु:खदर्द में भागीदार बनते हैं और ऐसे समय में उपलब्ध कराये गये रुपये पैसे पर किसी तरह का ब्याज नहीं लेते। अन्य कोई सहारा नहीं देखकर व्यक्ति इन आवश्यकताओं की पूर्ति के लिए रिश्तेदार, परिचित, साहूकार, दोस्त, कमीशन एजेंट या रुपये पैसे उधार देने वाले लोगों के सामने हाथ पसारते हैं। अब इनमें से एक बहुत बड़ा वर्ग ऐसा भी है जो व्यक्ति की मजबूरी का फायदा उठाने में किसी तरह का गुरेज नहीं करते और हालात यहां तक हो जाते हैं कि मजबूरी का फायदा उठाते हुए 50 से 60 प्रतिशत तक ब्याज लेने में किसी तरह की हिचकिचाहट नहीं दिखाते। हांलाकि ऐसे लोगों का प्रतिशत या संख्या कम है पर इसे सिरे से नकारा नहीं जा सकता। रिपोर्ट के अनुसार ऋण लेने वाले करीब 40 फीसदी ग्रामीणों को 15 प्रतिशत से 60 प्रतिशत तक के बीच में ब्याज का चुकारा करना पड़ता है। इससे साफ हो जाता है कि आजादी के 75 साल बाद भी सूदखोरों को बोलबारा बरकरार है। हांलाकि संस्थागत ऋणों में भी यदि हम पर्सनल लोन की बात करें तो वह भी करीब 15 से 20 प्रतिशत पर बैठता है और यदि किसी कारण से कोई किस्त बकाया रह गई तो फिर पेनल्टी दर पेनल्टी का सिलसिला काफी गंभीर व कर्ज के मकड़जाल में फंसाने वाला हो जाता है।

संजय

(इस लेख पर आप अपनी राय 9559286005 पर एसएमएस या info@4pm.co.in पर ई-मेल भी कर सकते हैं)

वैश्विक उथल-पुथल में भारत के लिए संभावनाएं

डॉ. जयंतीलाल भंडारी

हाल ही में अमेरिकी राष्ट्रपति डोनॉल्ड ट्रंप द्वारा लगाए गए रेसिप्रोकल टैरिफ की चिंताओं के कारण 7 अप्रैल का दिन दुनियाभर के शेयर बाजारों के साथ-साथ भारत के लिए भी ब्लैक मंडे के रूप में दिखाई दिया। सेसेंक्स में एक ही दिन में निवेशकों के 19.4 लाख करोड़ रुपए स्वाह हो गए। न केवल दुनिया के शेयर बाजार ढहते दिख रहे हैं, वरन चीन, कनाड़ा, ऑस्ट्रेलिया और यूरोपीय संघ सहित कई देशों द्वारा अमेरिका पर लगाए गए जवाबी टैरिफ के कारण वैश्विक ट्रेड वॉर शुरू हो गयी है। इस बीच संभावना उभरी है कि निकट भविष्य में भारत अपनी अमेरिका के अनुकूल व्यापार नीति से ट्रंप की टैरिफ आपदा के बीच निर्यात और वैश्विक व्यापार के नए समीकरणों से नए मौके हासिल कर सकता है। इससे भारतीय अर्थव्यवस्था तथा शेयर बाजार भी लाभान्वित हो सकते हैं।

गौरतलब है कि ट्रंप द्वारा भारत पर 26 प्रतिशत टैरिफ लगाया गया है वहीं चीन पर 54 प्रतिशत, वियतनाम पर 46 फीसदी, बांग्लादेश पर 37 प्रतिशत तथा थाइलैंड पर 36 फीसदी सुनिश्चित किया है। वित्तवर्ष 2023-24 में भारत के कुल निर्यात में अमेरिका की हिस्सेदारी करीब 18 फीसदी रही, जो लगभग 77.5 अरब डॉलर थी, निर्यात की ऐसी ऊंचाई अमेरिका को भारत का बड़ा व्यापारिक साझेदार बनाती है। ट्रंप के टैरिफ से भारत के कई प्रमुख निर्यात क्षेत्र प्रभावित हो सकते हैं। इनमें आईटी, टेक्सटाइल और परिधान, ऑटो पार्ट्स, रत्न-आभूषण, इलेक्ट्रॉनिक्स व कृषि उत्पाद शामिल हैं। भारत के दवा और सेमीकंडक्टर उद्योग पर भी टैरिफ की तलवार लटकी है। एसबीआई की हालिया रिपोर्ट के मुताबिक चालू वित्तवर्ष 2025-26 में भारतीय उत्पादों का अमेरिका को निर्यात करीब 85 हजार करोड़ रुपए तक घट सकता है और टैरिफ से भारत के जीडीपी के करीब 0.2 फीसदी घटने की आशंका रहेगी। इस सबके बावजूद ट्रंप के टैरिफ की मार के बीच भारत के लिए मौके भी छिपे हैं। जहां अमेरिका द्वारा भारत पर लगाए गए टैरिफ दूसरे कई प्रतिस्पर्धी देशों से कम होने से अमेरिका सहित दुनिया में देश के निर्यात बढ़ने की संभावना है।

भारत अमेरिका के साथ नए व्यापार समझौते तथा अन्य देशों संग द्विपक्षीय व्यापार समझौतों के लिए रणनीतिक कदम बढ़ा रहा है, उससे भारत के लिए अमेरिका समेत कई देशों में निर्यात-कारोबार बढ़ाने के मौके भी बढ़ सकते हैं। एशिया के उभरते बाजारों में भारत

पर टैरिफ फिलीपींस को छोड़कर सबसे कम है। ऐसे में तुलनात्मक कम टैरिफ से भारत को वैश्विक व्यापार और मैन्युफैक्चरिंग में अपनी स्थिति मजबूत करने का मौका मिल सकता है। इलेक्ट्रॉनिक्स सेक्टर में अमेरिकी बाजार में भारत की निर्यात प्रतिस्पर्धा मजबूत होगी। प्रमुख इलेक्ट्रॉनिक्स निर्यातक देशों की तुलना में भारत पर कम टैरिफ लगा है। खासकर चीन व वियतनाम के मुकाबले भारत बेहतर स्थिति में है। टेक्सटाइल निर्यात बाजार में भी बेहतर अवसर मिल सकते हैं। अन्य देशों के सामान अमेरिका में ज्यादा महंगे होने से वहां भी भारतीय उत्पादों की मांग बढ़ेगी। भारत ट्रंप की टैरिफ मार से बचने और वैश्विक व्यापार में अपनी हिस्सेदारी बढ़ाने के लिए नए वैश्विक व्यापार समीकरणों संग आगे बढ़ रहा है। हाल ही में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने श्रीलंका के साथ कोलम्बो में व्यापार और रक्षा सहित सात महत्वपूर्ण समझौतों पर हस्ताक्षर किए। इसके पूर्व बिम्सटेक सम्मेलन के दौरान इस संगठन के देशों के साथ व्यापार बढ़ाने पर भी चर्चा की। बीते मार्च माह के अंत में नई दिल्ली में भारत और अमेरिका के वरिष्ठ व्यापार प्रतिनिधियों ने दोनों देशों के बीच 2030 तक द्विपक्षीय व्यापार को 500 अरब डॉलर के स्तर पर पहुंचाने के प्रस्तावित व्यापार समझौते की रूपरेखा और शर्तों को लेकर वार्ता की। देश कई छोटे-बड़े देशों के साथ मुक्त व्यापार समझौतों (एफटीए) और द्विपक्षीय व्यापार समझौतों की रणनीति के साथ आगे बढ़ रहा है। इनसे निर्यात अवसर बढ़ेंगे। इसमें दो राय नहीं कि ट्रंप के टैरिफ से निर्मित व्यापार युद्ध के कारण वैश्विक कंपनियां भारत के मजबूत घरेलू बाजार और मध्यम वर्ग के कारण चमकीले बाजार में नए निवेश को तत्पर होंगी।

वहीं टैरिफ जंग में भारत के लिए घरेलू मांग, घरेलू आर्थिक घटक, नए व्यापार समझौते, रिकार्ड खाद्यान्न उत्पादन व खाद्य प्रसंस्कृत उत्पादों का निर्यात कारगर हथियार हो सकते हैं। अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आइएमएफ) की हालिया रिपोर्ट के मुताबिक टैरिफ चुनौतियों के बीच भी चालू वित्त वर्ष 2025-26 में भारत की जीडीपी वृद्धि दर 6.5 प्रतिशत रहेगी जो अर्थव्यवस्था के मजबूत व स्थिर विस्तार का संकेत है। साथ ही भारत की अर्थव्यवस्था दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ती इकॉनोमीज़ में से एक बनी रहेगी। यद्यपि भारत की संसद में ट्रंप की नई टैरिफ नीति के मद्देनजर घरेलू उद्योगों के संरक्षण की बात कही गयी है।

क्रिकेट से बड़ा बेचने और कमाने का खेल

प्रदीप मैगज़ीन

ये मेरे भ्रमित मन द्वारा किए गए स्वीकारोक्तिपूर्ण उद्गार हैं, जिसकी वजह है भ्रम के समुद्र में गोते लगा रहा भटका मन, जो अपने आप में एक क्रिकेट लीग को समझने की कोशिश कर रहा है, वह जिसकी दुनिया दीवानी है। मेरी इंद्रियों पर यह हमला अंतहीन है। जब बिल्ली के पंजे जैसी नफासत न होकर क्रूर ताकत से लगाए चौकों-छक्कों की बौछार होते देखता हूं, तो दिमाग चकरा जाता है, प्रतिक्रिया करने में असमर्थ हो जाता है। एकरसता की धुंध छा जाती है। यदि आपने स्टेडियम में कोई मैच देखा है, तो यह सब स्वयं महसूस किया होगा। तो क्या मैं बूढ़ा हो चला हूं? क्या मैंने वह संवेदी बोध खो दिया है, वह जिससे दिल की धड़कन तेज और रंगों में उत्तेजना दौड़ने लगती है। वह खुमार जो शरीर और मन को जश्न मनाने वाली भीड़ में एक होने को उकसाता है? बेवकूफ, बेवकूफ, बेवकूफ मेरे कानों में अक्सर गूंजता है। मैं चौंक कर उठता हूं और दुखी महसूस करता हूं।

धीरे-धीरे समझ में आता है कि ये झिड़कियां मेरे लिए नहीं हैं। ये शब्द टीवी पर हर कहीं सुनाई देते हैं, जब आईपीएल के मैच मैदान पर और स्क्रीन के सामने डटे दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर रहे होते हैं। ये प्रसिद्ध शब्द किसने कहे थे! मन मोहने वाले ऋषभ पंत ने या महान सुनील गावस्कर ने? करोड़ों लोग हर शाम लगातार तीन बार ये शब्द चिल्लाते हुए पंत का खेल देखते हैं, जबकि गावस्कर, जिन्हें साथी कमेंटेटर प्यार से 'सनी जी' संबोधित करते हैं, उनके रुतबे के अनुरूप अधिमान न देकर उनके साथ धोखा किया जा रहा है। एक ऑनलाइन ट्रैवल बुकिंग प्लेटफॉर्म के लिए किए जा रहे विज्ञापन का दृश्य है कि पंत गावस्कर को उनकी गलती का अहसास कराते हैं, और स्वाभाविक रूप से गावस्कर इस मदद के लिए पंत के आभारी हो रहे हैं। यह विज्ञापन तभी बेहतर समझ में आ सकता है जब आप इन शब्दों के 'क्रिकेटिंग' इतिहास और इन दोनों के साथ इसके संबंध को जानते हों।

इसके लिए हाल ही में संपन्न भारत-ऑस्ट्रेलिया टेस्ट सीरीज में लौटना होगा, जब एक टेस्ट मैच में पंत मैच के अत्यंत महत्वपूर्ण चरण में एक भयानक शॉट पर आउट हो गए और ऑस्ट्रेलियाई दर्शकों से बतियाने में लगे 'सनी जी' इतने क्रोधित हो गए कि वे गुस्से में उठ खड़े हुए और पूरी गंभीरता से चिल्लाए -'बेवकूफ, बेवकूफ, बेवकूफ'। गावस्कर द्वारा इन कड़े शब्दों में अपनी नाराजगी व्यक्त करने वाला यह सीन वायरल हो गया और अधिकांश भारतीय क्रिकेट प्रशंसकों की नजरों में पंत एक खलनायक बन गए। विडंबना यह है कि लाभ-लोलुप कंपनियों और विज्ञापन की दुनिया के लिए, नाटकबाजी का हर हिस्सा अपना माल बेचने और पैसा कमाने का मौका है। किसी को कोई शिकायत नहीं है, निश्चित रूप से इन दोनों मुख्य पात्रों को तो कतई नहीं! इसलिए, जहां आप अपने पसंदीदा क्रिकेटर को सफेद चमड़े की गेंद को धुनते हुए देखते हैं वहीं पंत और गावस्कर को एक-दूसरे को गले लगाते हुए देखने का यह सुखद दृश्य मुस्कुराने और सहज होने का पल है, इससे पहले कि पूर्व की भांति आप लाइव मैच के एक्शन में फिर से खो जाएं।

क्या मैं आवश्यक रूप से रूखा, असभ्य और मतलबी हो रहा हूं या फिर पूरी तरह एक बेवकूफ़ हूं? मैं पूरी दुनिया की तरह इस बात पर बहस क्यों नहीं पड़ रहा कि अब तक टूर्नामेंट का सबसे बढ़िया खिलाड़ी कौन है— श्रेयस अय्यर, रजत पाटीदार, अश्विनी कुमार, मोहम्मद सिराज, गायकवाड़, निकोलस पूरण, जोस बटलर, साई सुदर्शन, ट्रैविस हेड, नूर अहमद, मिशेल स्टार्क, जोश हेज़लवुड या कोई और? इस पर भी चर्चा नहीं करता कि भारतीय क्रिकेट के दो मुख्य हीरे, रोहित शर्मा और विराट कोहली ने इतनी धीमी शुरुआत क्यों की और हमारे बहुत प्यारे एमएस धोनी का लीग में क्या भविष्य है? ओह हां, धोनी। क्या कभी भारत या दुनिया ने उनसे अधिक व्यावहारिक, लगभग निर्लिप्त खिलाड़ी देखा है? मुझे लगता नहीं। उनके स्वभाव को उनकी अभूतपूर्व उपलब्धियों के साथ मिलाएं तो आपको टूर्नामेंट की शोभा बढ़ाने वाला एक असली सुपरस्टार मिल जाएगा। तो क्या हुआ अगर वे 43 साल के हैं। उम्र सिर्फ एक संख्या है और धोनी जैसे खिलाड़ियों के लिए, उसकी ऊर्जा प्रशंसकों की फौज की वफादारी और टीम मालिकों के समर्थन से आती है, जिनके लिए खिलाड़ी खेल रहे होते हैं। अगर धोनी का उनके लिए खेलना व्यावसायिक रूप से बेहतर है, तो हम कौन होते हैं शिकायत करने के लिए। आखिरकार, भारत कोई चन्नई सुपर किंग तो है नहीं और न ही चेन्नई सुपर किंग भारत है। वे राष्ट्र के प्रति जवाबदेह नहीं हैं और न ही राष्ट्र जानना चाहता है।

मुझे एक विज्ञापन में उनका अभिनय बहुत भाया, जहां वे उपभोक्ता वस्तु बेचते हुए कहते हैं 'आज भी और कल भी', बहुत प्यारा। यह पूछे जाने पर कि क्या इसका मतलब लगाया जाए कि वे आगे भी खेलते रहेंगे, इस पर रहस्यमय ढंग से मुस्कुराते हैं और जवाब देते हैं, 'मैं उत्पाद के बारे में बात कर रहा हूं, अपने बारे में नहीं'। वे जहां कहीं भी खेलने जाते हैं, चाहे घर पर हो या बाहर, पीले रंग की टी-शर्ट पहने जनसमूह उनकी लोकप्रियता का प्रमाण है। जो उन्माद वे पैदा करते हैं वह व्यक्ति के प्रति दीवानगी भरा है। यह हुजूम भाड़े का नहीं होता और यह इस देश के सबसे शक्तिशाली व्यक्ति के लिए भी ईर्ष्या का बायस हो सकता है। वे पूरी शाम उनकी बारी आने का इंतज़ार करते हैं। हर विकेट का गिरना, जो उनके बल्लेबाजी क्रम को छोटा करता है, प्रशंसकों के लिए बल्कि जश्न मनाने की वजह होता है।

इंग्लैंड-स्विट्जरलैंड जैसा भारत में है यहां नजारा

कभी-कभी विदेश जैसी खूबसूरत जगह को देखकर आपका मन भी जरूर ये कहता होगा - ' 'काश ऐसी जगह हमारे देश में भी होती', लेकिन बता दें, भारत भी इस मामले में कुछ कम नहीं है। यहां की प्रकृति फॉरेन की हर एक जगह को फेल कर देती है। यही नहीं, यहां कुछ ऐसी जगह भी मौजूद हैं, जिनकी तुलना विदेशी जगहों से कर दी जाती हैं। यहां स्विट्जरलैंड से लेकर स्कॉटलैंड और पेरिस से लेकर इंग्लैंड तक सब कुछ है। अगर बात करें देश के मिनी स्विट्जरलैंड की, तो वो भी यहां खूब सारे मौजूद हैं। अगर आप आने वाले वीकेंड में कहीं घूमने का प्लान बना रहे हैं, तो इधर-उधर जाने के बजाए इन 4 जगहों पर जाने की प्लानिंग कर सकते हैं। मिनी स्विट्जरलैंड के नाम से फेमस ये प्लेसेस आपका दिल चुरा लेंगी। भारत की इन जगहों पर जाकर विदेशी खूबसूरती का आनंद लिया जा सकता है। ये स्थान न केवल आपकी यात्रा को यादगार बनाएंगे, बल्कि प्रकृति की अनमोल विरासत से भी जोड़ेंगे।

गुलमर्ग में स्विट्जरलैंड

बर्फ से ढके पहाड़, स्कीइंग रिसॉर्ट्स और खूबसूरत घास के मैदानों के कारण गुलमर्ग को भारत का स्विट्जरलैंड कहा जाता है। यहां का गोंडोला राइड और विंटर स्पोर्ट्स पर्यटकों के बीच खासे लोकप्रिय हैं। दो महीने के इंतजार के बाद हुई बर्फबारी से 'धरती का स्वर्ग कहे जाने वाले जम्मू कश्मीर का गुलमर्ग प्रकृतिप्रेमियों के लिए आकर्षण का केंद्र बन गया है। कड़ाके की सर्दियों के दौरान बर्फबारी न होने के कारण लोगों को निराशा हाथ लगी थी। लोग बर्फबारी का बेसब्री से इंतजार कर रहे थे और यह इंतजार आखिरकार जनवरी के अंत में खत्म हुआ, जिससे स्थानीय लोगों और पर्यटकों, दोनों के चेहरे पर खुशी लौट आई। बर्फबारी के कारण दूर-दराज से पर्यटक बर्फीली ढलानों पर स्कीइंग करने और बर्फ से ढके पहाड़ों की शांत वादियों तथा मनोरम दृश्यों का आनंद लेने के लिए गुलमर्ग का रुख कर रहे हैं।

फूलों की घाटी में कैलिफोर्निया

उत्तराखंड की वैली ऑफ फ्लावर्स में हजारों रंग-बिरंगे फूल खिलते हैं। यह दृश्य अमेरिका के कैलिफोर्निया में मौजूद एंटीलोप वैली से मेल खाता है। दोनों जगहों पर प्रकृति प्रेमियों और फोटोग्राफी के शौकीनों की भारी भीड़ होती है। यह घाटी दुर्लभ और विदेशी हिमालयी फूलों से भरी हुई है। यहां फूलों की 300 से अधिक प्रजातियां पाई जाती हैं, जिनमें एनीमोन, जेरेनियम, प्राइमुलस, ब्लू पोस्पी और ब्लूबेल शामिल हैं। हालांकि यहां का ब्रह्म कमल सबसे खूबसूरत है, जिसे उत्तराखंड का राज्य फूल भी कहा जाता है। यहां पर पाए जाने वाले तरह तरह के सुंदर फूल पर्यटकों को अपनी तरफ खींचते हैं। फूलों की घाटी तक पहुंचने वाले रास्ते में कई खूबसूरत पुल, ग्लेशियर और झरने भी देखने को मिलेंगे। घाटी में कई दुर्लभ प्रजाति के फूल भी देखने को मिलेंगे।

थार मरुस्थल में सहारा मरुस्थल

राजस्थान का थार मरुस्थल आपको सहारा मरुस्थल की याद दिलाएगा। यहां के रेत के टीलों, ऊंट की सवारी और रेगिस्तानी संस्कृति में आपको सहारा का अनुभव होगा। जैसलमेर और सम सैंड ड्यून्स इस क्षेत्र के प्रमुख आकर्षण हैं।

श्रीनगर में एम्स्टर्डम

जम्मू कश्मीर के श्रीनगर के दृश्य बेहद शानदार होते हैं। यहां की डल झील, शिकारा राइड, ट्यूलिप फूलों के बगीचे का नजारा विदेशों जैसा है। श्रीनगर में डल झील के किनारे खिले हुए ट्यूलिप फूलों का बगीचा और आसपास का शांत वातावरण आपको नीदरलैंड्स के एम्स्टर्डम की याद दिलाता है। यहां एशिया का सबसे बड़ा ट्यूलिप गार्डन है, जिसे इंदिरा गांधी मेमोरियल ट्यूलिप गार्डन कहते हैं। डल झील श्रीनगर का गहना मानी जाती है। यह सुंदर हरे भरे पहाड़ों के बीच में स्थित है। शिकारा नाव की सवारी, हाउस बोट और झील के बाजार जैसी सुविधाएं इस जगह को पर्यटकों के बीच पसंदीदा बनाती हैं। श्रीनगर हमेशा गर्मियों में घूमने के लिए एक सुखद स्थान रहा है। इसलिए यह मुगलों और अंग्रेजों की पसंदीदा जगहों में से एक है। डल झील पर हाउस बोट का आनंद पर्यटक ले सकते हैं।

हंसना मना है

गोलू- बर्ड फ्लू हो गया था मैम। टीचर- पर ये तो पक्षियों को होता है इंसानों को नहीं। गोलू- इंसान समझा ही कहां आपने...रोज तो मुर्गा बना देती हो..!!

दो लड़कियां बस में सीट के लिए लड़ रही थीं, कंडक्टर- अरे क्यों लड़ रही हो, जो उम्र में सबसे बड़ी है वो बैठ जाए फिर क्या, पूरे रास्ते दोनों खड़ी ही रहीं।

लड़का- ओए पगली! हम तो दुश्मन भी शेर जैसे रखते हैं, तू है एक कोमल कली, मुझसे पंगा जरा सोच समझ कर ले, क्यूंकि मैं एक शेर कि औलाद हूं। लड़की- अच्छा तो एक बात बता शेर घर पर आया था, या आंटी जंगल गयी थीं।

लड़का- मैं उस लड़की से शादी करुंगा, जो मेहनती हो, सादगी से रहती हो, घर को संवारकर रखती हो, आज्ञाकारी हो। प्रेमिका- मेरे घर आ जाना, ये सारे गुण मेरी नौकरानी में है।

एक भिखारी को 100 का नोट मिला, वो फाइव स्टार होटेल में गया और भरपेट खाना खाया, 1500 रुपये का बिल आया, उसने मेनेजर से कहा, पैसे तो नहीं है मैनेजर ने पुलिस के हवाले कर दिया, भिखारी ने पुलिस को 100 का नोट दिया, और छूट गया, इसे कहते हैं... फाइनेन्सियल मैनेजमेंट विदाउट एमबीए।

कहानी | भेड़िया आया

एक गांव में एक चरवाहा रहा करता था। उसके पास कई सारी भेड़ थीं, जिन्हें चराने वह पास के जंगल में जाया करता था। पूरा दिन भेड़ घास चरतीं और चरवाहा बैठा-बैठा ऊबता रहता। एक दिन उसे एक नई शरारत सूझी। जोर-जोर से चिल्लाना शुरू कर दिया बचाओ-बचाओ भेड़िया आया, भेड़िया आया। उसकी आवाज़ सुन कर गांव वालें लाठी और डंडे लेकर दौड़ते हुए उसकी मदद करने आए। जैसे ही गांव वालें वहां पहुंचे, उन्होंने देखा कि वहां कोई भेड़िया नहीं है और चरवाहा पेट पकड़ कर हंस रहा था। हाहाहा, बड़ा मजा आया। मैं तो मजाक कर रहा था। कैसे दौड़ते-दौड़ते आए हो सब, हाहाहा। गांव वालों का चेहरा गुस्से से लाल-पीला होने लगा। एक आदमी ने कहा कि हम सब अपना काम छोड़ कर, तुम्हें बचाने आए हैं और तुम हंस रहे हो? ऐसा कह कर सभी लोग वापस अपने अपने काम की ओर लौट गए। कुछ दिन बीतने के बाद, गांव वालों ने फिर से चरवाहे की आवाज़ सुनी। बचाओ बचाओ भेड़िया आया, बचाओ। यह सुनते ही, वो फिर से चरवाहे की मदद करने के लिए दौड़ पड़े। दौड़ते-आवाज गांव वालें वहां पहुंचे, तो देखा कि चरवाहा अपनी भेड़ों के साथ आराम से खड़ा है और गांव वालों की तरफ देख कर जोर-जोर से हंस रहा है। इस बार गांव वालों को और गुस्सा आया। उन सभी ने चरवाहे को खूब खरी-खोटी सुनाई, लेकिन चरवाहे को अक्ल न आई। उसने फिर दो-तीन बार ऐसा ही किया और मजाक में चिल्लाते हुए गांव वालों को इकट्ठा कर लिया। अब गांव वालों ने चरवाहे की बात पर भरोसा करना बंद कर दिया था। एक दिन गांव वालें अपने खेतों में काम कर रहे थे और उन्हें फिर से चरवाहे के चिल्लाने की आवाज आई। बचाओ बचाओ भेड़िया आया, भेड़िया आया बचाओ, लेकिन इस बार किसी ने भी उसकी बात पर गौर नहीं किया। सभी आपस में कहने लगे कि इसका तो काम ही है दिन भर यूं मजाक करना। चरवाहा लगातार चिल्ला रहा था, अरे कोई तो आओ, मेरी मदद करो, इस भेड़िए को भगाओ, लेकिन इस बार कोई भी उसकी मदद करने वहां नहीं पहुंचा। चरवाहा चिल्लाता रहा, लेकिन गांव वालें नहीं आए और भेड़िया एक-एक करके उसकी सारी भेड़ों को खा गया। यह सब देख चरवाहा रोने लगा। जब बहुत रात तक चरवाहा घर नहीं आया, तो गांव वालें उसे ढूंढते हुए जंगल पहुंचे। वहां पहुंच कर उन्होंने देखा कि चरवाहा पेड़ पर बैठा रो रहा था। गांव वालों ने किसी तरह चरवाहे को पेड़ से उतारा। उस दिन चरवाहे की जान तो बच गई, लेकिन उसकी प्यारी भेड़ें भेड़िए का शिकार बन चुकी थीं। चरवाहे को अपनी गलती का एहसास हो गया था और उसने गांव वालों से माफी मांगी। चरवाहा बोला मुझे मॉफ कर दो भाइयों, मैंने झूठ बोल कर बहुत बड़ी गलती कर दी। मुझे ऐसा नहीं करना चाहिए था।

7 अंतर खोजें

जानिए कैसा रहेगा कल का दिन

पंडित संदीप आत्रेय शास्त्री

लेखक प्रसिद्ध ज्योतिषविद हैं। सभी प्रकार की समस्याओं के समाधान के लिए कॉल करें-9837081951

मेष विद्यार्थी वर्ग सफलता अर्जित करेगा। पठन-पाठन में मन लगेगा। दूर यात्रा की योजना बन सकती है। मनपसंद भोजन का आनंद प्राप्त होगा। वरिष्ठजनों का मार्गदर्शन प्राप्त होगा।

वृषभ वाणी पर नियंत्रण रखें। किसी के व्यवहार से क्लेश हो सकता है। पुराना रोग उभर सकता है। दु:खद समाचार मिल सकता है, धैर्य रखें। जोखिम व जमानत के कार्य टालें।

मिथुन शत्रु नतमस्तक होंगे। विवाद को बढ़ावा न दें। प्रयास सफल रहेंगे। सामाजिक प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। आय के स्रोतों में वृद्धि हो सकती है। व्यवसाय ठीक चलेगा।

कर्क लेन-देन में सावधानी रखें। शारीरिक कष्ट संभव है। परिवार में तनाव रह सकता है। शुभ समाचार मिलेंगे। आत्मविश्वास में वृद्धि होगी। व्यवसाय ठीक चलेगा।

सिंह रोजगार प्राप्ति के प्रयास सफल रहेंगे। अप्रत्याशित लाभ हो सकता है। सट्टे व लॉटरी से दूर रहें। व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी। आय में वृद्धि होगी।

कन्या अप्रत्याशित खर्च सामने आएंगे। कर्ज लेना पड़ सकता है। स्वास्थ्य का पाया कमजोर रहेगा। किसी विवाद में उलझ सकते हैं। चिंता तथा तनाव रहेंगे।

तुला बकाया वसूली के प्रयास सफल रहेंगे। व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी। आय के नए स्रोत प्राप्त हो सकते हैं। व्यापार-व्यवसाय में लाभ होगा।

वृश्चिक नई आर्थिक नीति बनेगी। पार्टनरों का सहयोग मिलेगा। कार्यप्रणाली में सुधार होगा। सामाजिक प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। कारोबारी अनुबंधों में वृद्धि हो सकती है।

धनु बेचैनी रहेगी। चोट व रोग से बचें। काम का विरोध होगा। तनाव रहेगा। कोर्ट व कचहरी के काम अनुकूल होंगे। पूजा-पाठ में मन लगेगा। तीर्थयात्रा की योजना बनेगी।

मकर वाहन व मशीनरी के प्रयोग में लापरवाही न करें। अपेक्षित कार्यों में अप्रत्याशित बाधा आ सकती है। तनाव रहेगा। कीमती वस्तुएं संभालकर रखें।

कुम्भ कोर्ट व कचहरी के काम मनोनुकूल रहेंगे। जीवनसाथी से सहयोग मिलेगा। प्रसन्नता रहेगी। मातहतों से संबंध सुधरेंगे। व्यवसाय ठीक चलेगा। धन प्राप्ति सुगम होगी।

मीन कष्ट, भय, चिंता व बेचैनी का वातावरण बन सकता है। कुबुद्धि हावी रहेगी। स्वास्थ्य कमजोर रहेगा। भूमि, भवन, दुकान व फैक्टरी आदि के खरीदने की योजना बनेगी।

निशा के बालीवुड में जल्द आने की खबरों पर मां काजोल ने लगाया ब्रेक

अजय देवगन अपनी फिल्मों को लेकर अक्सर चर्चा में रहते हैं। उनके खाते में 5-10 नहीं, कई बड़ी फिल्में हैं। कुछ का शूट कर चुके हैं, तो कुछ का बाकी है। वहीं काजोल भी लगातार काम कर रही हैं। इस साल की शुरुआत में अजय देवगन की फिल्म से दो स्टार किड्स ने बॉलीवुड डेब्यू किया। पहली थीं- रवीना टंडन की बेटी राशा और अजय के भांजे- अमन अब क्या अजय देवगन और काजोल की बेटी निसा देवगन भी बॉलीवुड में एंट्री करने वाली हैं। उनकी मम्मी ने बेटी की प्लानिंग के बारे में बता दिया है।

लगातार ऐसी खबरें आ रही हैं कि काजोल की बेटी जल्द बॉलीवुड में कदम रखने वाली हैं। हालांकि, अब काजोल ने इन सभी अफवाहों को खारिज कर दिया है। एक्ट्रेस ने बताया कि बिल्कुल नहीं। मुझे लगता है कि वो 22 साल की हो गई है या होने वाली है। निसा ने सोच रखा है कि वो अभी बॉलीवुड फिल्मों में नहीं आएंगी। इस दौरान एक्ट्रेस ने अपकमिंग टैलेंट्स को भी सलाह दी। वो कहती हैं कि- हर किसी से सलाह मत लीजिए। क्योंकि अगर तुम पूछोगे तो 100 लोग खड़े होकर बोलेंगे कि तुम्हें यह करना चाहिए, तुम अपनी नाक बदलो, हाथ बदलो और बालों का कलर बदलो

अजय देवगन और काजोल की बेटी निसा देवगन अपनी पर्सनल लाइफ को लेकर चर्चा में रहती हैं। उनकी आफ्टर पार्टी वाली तस्वीरें खूब वायरल हुई हैं। जिसके चलते काफी बार ट्रोल भी होना पड़ा है। वो 21 साल की है, लेकिन वक्त से साथ उनके लुक में काफी बदलाव आया है। इसे लेकर भी लोग सवाल उठाते रहे हैं। निसा देवगन और ओरी काफी अच्छे दोस्त हैं।1 मई को अजय देवगन की रेड 2 आ रही है। फिल्म को लेकर माहौल सेट है। बीते दिन फिल्म का ट्रेलर आया था। एक बार फिर वो अमय पटनायक के किरदार में गदर मचाने वाले हैं। इस साल अजय देवगन की कुछ और फिल्में भी आने वाली हैं। जिसका फैन्स को बेसब्री से इंतजार है।

कृष-4 में भी ऋतिक संग जमेगी प्रीति जिंटा की जोड़ी

कृष 4 से ऋतिक रोशन का बतौर डायरेक्टर डेब्यू करने वाले हैं। फिल्म का फैंस के बीच जबरदस्त बज है। इस मच-अवेटेड फिल्म को लेकर अब इंडिया टुडे को एक एक्सक्लुसिव रिपोर्ट मिली है। फिल्म की कहानी से लेकर ऋतिक के रोल पर फैसला लिया जा चुका है। बताया जा रहा है कृष 4 की कहानी इन्फिनिटी वॉर और एंडगेम से इंस्पायर्ड होगी।

कृष 4 का ऐलान कुछ वक्त पहले ही किया गया था, तब से इसके अपडेट्स जानने के लिए फैंस बेकरार रहते हैं। पता चला है कि फिल्म की कहानी टाइम ट्रैवल करती दिखेगी, वहीं इस बार प्रीति जिंटा का भी अहम रोल होने वाला है। वहीं ऋतिक का एक या दो नहीं बल्कि ट्रिपल रोल होगा। वो रोहित, कृष और मेन विलेन के किरदार में नजर आएंगे।

सोर्स ने खुलासा किया, प्लानिंग ये है कि कृष को अलग-अलग समय-सीमाओं-अतीत और भविष्य-से गुजरते हुए एक बड़े खतरे को खत्म करने के नाते, आगे बढ़ाया जाएगा। वीएफएक्स और प्रोडक्शन पर ज्यादा ध्यान देने के साथ, फिल्म पारिवारिक भावनाओं और रिश्तों पर आधारित रहेगी। फिल्म की इस चौथी में कोई मिल गया की प्रीति जिंटा और ऋतिक रोशन की प्यारी जोड़ी भी देखने को मिलेगी। खबर है कि इनके साथ ही कई और जाने-पहचाने चेहरों की वापसी की भी उम्मीद है। साथ ही प्रियंका चोपड़ा, विवेक ओबेरॉय और रेखा भी अपनी भूमिका को फिर से निभाते दिखेंगे।

बॉलीवुड | मन की बात

क्राइम शो को होस्ट करने से मेरे जीवन में बदलाव आया : अनूप

टी वी एक्टर अनूप सोनी लंबे समय से क्राइम शो क्राइम पेट्रोल को होस्ट कर रहे हैं। शो ने लोगों के दिलों में अलग छाप छोड़ी है, वहीं अनूप को भी अलग पहचान दी है। एक्टर ने बताया कि कैसे ये शो न केवल उनके करियर में मील का पत्थर साबित हुआ है, बल्कि उनके निजी जीवन में भी एक बदलाव का नया अनुभव लेकर आया। अनूप ने बताया कि क्राइम शो को होस्ट करने से उनके जीवन में बहुत बड़ा बदलाव आया। खास तौर पर जिस तरह से वो सोचते हैं और दुनिया को देखते हैं, उसमें। अनूप ने बताया कि क्राइम पेट्रोल मेरे करियर के सबसे बेहतरीन शोज में से एक है। मुझे खुशी है कि लोगों को ये पसंद आया। वास्तव में, इस शो ने मुझे एक बेहतर इंसान बनाया है। मैंने खुद में कई बदलाव देखे हैं- मेरी सोच और जीवन के प्रति मेरे नजरिए में। पिछले कुछ सालों में लोग मुझसे कॉन्टैक्ट करते रहे हैं और कहते रहे हैं कि उन्होंने कुछ एपिसोड देखे हैं और उनसे बहुत कुछ सीखा है। मुझे कई लोगों से सीधे तौर पर प्रतिक्रिया मिली है जो इस शो की सराहना करते हैं और इससे मिलने वाली सीख को समझते हैं। अनूप ने आगे बताया कि शो को इंगेजिंग और सच के करीब रखते हुए दर्शकों का ध्यान खींचना बड़ा टास्क होता है। वो बोले, जब मैं शो होस्ट करता हूं, तो मेरा काम दर्शकों से जुड़ना होता है। मैं कभी भी किसी ऐसे व्यक्ति के रूप में सामने आने की कोशिश नहीं करता जो अधिक जानकार हो और उन्हें अनजान महसूस कराता हो। मेरा नजरिया संतुलन बनाए रखना है। हमारे आस-पास क्या हो रहा है, इस पर रोशनी डालना और इस बात पर जोर देना कि ये किसी के साथ भी हो सकता है। हम सभी को सतर्क रहने की जरूरत है। अनूप सोनी ने क्राइम पेट्रोल के होस्ट के तौर पर 5 साल बाद वापसी की है। वो बोले, ये नया सीजन, 26 सबसे मुश्किल और मनोरंजक हत्याओं के रहस्यों को शोकेस करके दर्शकों को अपनी सीट से बांधे रखेगा। जैसा कि नए सीजन में हर एक मामला परत दर परत खुलता है, वो हर मोड़ पर सवाल उठाते हैं - आखिर खून किसने किया? जबकि हम चाहते हैं कि दर्शक हर एपिसोड को समझें और उससे कीमती सबक लें। इसमें ड्रामा का एक तत्व भी है जो उन्हें कहानी से जोड़े रखता है।

3000 साल पुराने इस मंदिर में विज्ञान के सारे सिद्धांत फेल, वैज्ञानिक भी हो चुके हैं परेशान

भारतीय सभ्यता दुनिया की सबसे प्राचीन सभ्यताओं में गिनी जाती है। यहां की प्राचीन सांस्कृति की सबसे बड़ी गवाही यहां के मंदिर देते हैं, जो अपनी संरचनाओं के लिए दुनियाभर में आज भी आकर्षण का केंद्र बने हुए हैं। इन मंदिरों की बनावट देखकर हर कोई अचरज में पड़ जाता है। ऐसा ही एक मंदिर नीरपुथूर मंदिर है। करीब 3000 साल पुराना यह मंदिर रहस्यों से भरपूर है, जहां विज्ञान के सारे स्थापित सिद्धांत फेल हो जाते हैं। यह मंदिर और इसका गर्भगृह आज भी शोधकर्ताओं और वैज्ञानिकों के लिए एक अबूझ पहेली बना हुआ है। इस मंदिर का सबसे रहस्यमय पहलू इसमें मौजूद शिवलिंग है, जिसे लेकर मान्यता है कि यह किसी इंसानी प्रयास से नहीं, बल्कि स्वयं प्रकट हुआ है। विज्ञान जहां किसी भी चीज की उत्पत्ति और रूप को विश्लेषणात्मक नजर से देखता है, वहीं इस शिवलिंग की मौजूदगी वैज्ञानिकों को स्तब्ध कर देती है। स्थानीय लोगों की मान्यता के मुताबिक, इस शिवलिंग का न कोई स्पष्ट निर्माण काल है, न कोई रचना प्रक्रिया—यह केवल श्रद्धा और विश्वास से जुड़ा हुआ रहस्य है। मंदिर में स्थित जल का स्रोत भी एक रहस्य ही है। यहां शिवलिंग के चारों ओर सालों भर जल भरा रहता है, चाहे सूखा हो या बारिश का मौसम पानी की इस हमेशा मौजूदगी ने भू-वैज्ञानिकों को भी सोच में डाल दिया है। यह पानी कहां से आता है, इसका कोई ठोस वैज्ञानिक प्रमाण नहीं मिल पाया है। इस जल को 'चमत्कारी' भी कहा जाता है, क्योंकि श्रद्धालुओं का मानना है कि इसमें रोग निवारण की शक्ति है। माना जाता है इसमें कुछ खनिज तत्व हो सकते हैं, जो स्वास्थ्य को लाभ पहुंचाते हों, लेकिन जिस स्तर पर इसे 'औषधीय जल' कहा जाता है, वह विज्ञान की सीमाओं से परे प्रतीत होता है। मंदिर का वास्तु भी अपने आप में एक रहस्य है। इसकी संरचना वास्तुशास्त्र और खगोल विज्ञान के ऐसे नियमों पर आधारित है, जिन्हें आज के आधुनिक उपकरणों से भी पूरी तरह मापा नहीं जा सका है। गर्भगृह की स्थिति, उसका तापमान और उसमें व्याप्त रहस्यमयी ऊर्जा को समझने की कई कोशिशें की गईं, लेकिन कोई ठोस निष्कर्ष नहीं निकला। स्थानीय लोगों के मुताबिक, यहां तक कि कई वैज्ञानिक जब गर्भगृह के अंदर गए, तो उन्होंने असामान्य ऊर्जा प्रवाह का अनुभव किया, जिसे आज तक तकनीकी रूप से सिद्ध नहीं किया जा सका।

अजब-गजब | इस प्रथा को कहा जाता है 'अपना-पराया'

नई दुल्हन रसोइया से पैर से खिसका कर देती है थाली, दूल्हा उसे माथे से लगाकर स्वीकारता है

भारत जैसे विशाल देश में हर इलाके में आदिवासियों और जनजातियों की भाषा, पहनावा और उनकी परंपराएं अलग-अलग हैं। सभी आदिवासियों और जनजातियों में शादी की रस्में भी अलग-अलग तरह की होती हैं। जैसे गुजरात और राजस्थान की भील जनजाति में उल्टे फेरे लगाए जाते हैं। इस जनजाति में एक और अलग रस्म होती है। यहां शादी के वक्त जब लड़के वाले लड़की के घर जाते हैं, तो वे लड़की की चाल पर ध्यान देते हैं। भील जनजाति में शादी तीन-चार दिनों में पूरी होती है। राजस्थान की मीणा जनजाति में एक मेला लगाया जाता है। इसमें जनजाति के युवक और युवतियां आते हैं। वह एक-दूसरे के साथ खेलते हैं। इस दौरान यदि दोनों एक-दूसरे को पसंद करते हैं, तभी बात आगे बढ़ाई जाती है।

वहीं, उत्तराखंड, उत्तर प्रदेश, बिहार और नेपाल में पायी जाने वाली थारू जनजाति में शादी के दौरान एक बेहद खास रस्म होती है। ये अनोखी रस्म उन्हें अन्य समुदायों से अलग करती है। यह जनजाति मातृसत्तात्मक है, जिसमें महिलाओं को पुरुषों से ऊंचा दर्जा दिया जाता है। इस परंपरा के अनुसार, जब नई दुल्हन ससुराल आने के बाद पहली बार रसोई में खाना बनाती है, तो वह अपने पति को हाथ से परोसने के बजाय पैर से खिसकाकर थाली देती है। दूल्हा भी इस रस्म को प्यार से निभाता है। दूल्हा उस थाली को सिर माथे लगाकर खाना खाता है।

ऐसा करके वह दुल्हन का सम्मान करता है और इस रस्म के महत्व को दर्शाता है। इस रस्म को 'अपना-पराया' कहा जाता है। इसका मतलब है कि दुल्हन अब इस परिवार की अपनी तो हो गई है, लेकिन साथ ही वह अपने मायके से भी जुड़ी हुई है। इस रस्म के पीछे कई मान्यताएं हैं। कुछ लोगों का मानना है कि प्राचीनकाल में थारू महिलाएं राजपूत मूल की थीं। उन्हें मजबूरी में उन सैनिकों और सेवकों से शादी करनी पड़ी थी जो उनके सामाजिक स्तर से नीचे थे। पैर से थाली खिसकाना उनके उस दर्द और अहंकार को व्यक्त करने का एक तरीका माना जाता है।

वहीं, कुछ अन्य लोगों का मानना है कि यह रस्म नई दुल्हन के परिवार के प्रति सम्मान और विनम्रता दर्शाती है। ये रस्म पति-पत्नी के बीच के संबंध को मजबूत करने का प्रतीक है। यह परंपरा दर्शाती है कि पुरुष अपनी पत्नी का सम्मान करता है और उनकी मेहनत को मान्यता देता है। इसके बाद वह खुशी-खुशी उस भोजन का आनंद लेता है। थारू जनजाति की यह रस्म केवल एक शादी की परंपरा नहीं है, बल्कि यह उनकी सांस्कृतिक पहचान का एक हिस्सा है। ये लोग जंगलों, पहाड़ों और नदियों के आसपास रहते हैं, और उनकी जीवनशैली में प्राकृतिक तत्वों का गहरा समावेश है।

ईवीएम बहुत बड़ा धोखा

कमलनाथ बोले- यह प्रणाली फिक्स की जा सकती है

» पूर्व सीएम का भाजपा-संघ के खिलाफ संघर्ष का आह्वान

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

भोपाल। अहमदाबाद में आयोजित कांग्रेस के 84वें अधिवेशन के समापन पर मध्य प्रदेश के वरिष्ठ कांग्रेस नेता और पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ ने ईवीएम पर सवाल उठाए और इसे धोखाधड़ी का एक हिस्सा बताया। वहीं, प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी ने भाजपा-संघ के खिलाफ संघर्ष का आह्वान किया। इस अवसर पर पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे, पूर्व अध्यक्ष सोनिया गांधी और लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी सहित अन्य वरिष्ठ नेताओं ने हिस्सा लिया। मध्य प्रदेश से भी 93 डेलीगेट्स ने अधिवेशन में भाग लिया, इनमें जीतू पटवारी, कमलनाथ, दिग्विजय सिंह, नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार और अन्य नेता शामिल थे।

कमलनाथ ने पार्टी के रुख को मजबूत करते हुए कहा कि केवल भारत में ही ईवीएम के जरिए चुनाव होते हैं और इस पर सभी को शक है, क्योंकि यह प्रणाली फिक्स की जा सकती है। उनके अनुसार, हालिया सबूतों से यह स्पष्ट हो जाता है कि ईवीएम एक धोखा है। अधिवेशन में कांग्रेस संगठन के कई अहम मुद्दों पर चर्चा की गई, जिनमें जातिगत जनगणना, मतदाता सूची में गड़बड़ी और सरकारी संपत्तियों की बिक्री से जुड़े मुद्दे शामिल थे। साथ ही, पार्टी के संरचनात्मक बदलाव और जिला अध्यक्षों को अधिक शक्तिशाली बनाने के लिए प्रस्ताव पारित किए गए। इस अधिवेशन के सफल समापन के बाद, कांग्रेस पार्टी ने आगामी चुनावों के लिए एकजुट होकर संघर्ष करने का संकल्प लिया।

राहुल के नेतृत्व में कांग्रेस और मजबूत हो रही : पटवारी

प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी ने पार्टी कार्यकर्ताओं से अपील की कि वे भाजपा और संघ की विचारधारा के खिलाफ मजबूती से खड़े हों और आगामी चुनावों में कांग्रेस की जीत सुनिश्चित करें। उन्होंने राहुल गांधी के नेतृत्व में कांग्रेस को और मजबूत करने का संकल्प लिया।

कांग्रेस नेताओं को हो गया है ईवीएम फोबिया : वीडी शर्मा

वीडी शर्मा ने कांग्रेस नेता कमलनाथ और राहुल गांधी पर तीखा हमला बोलते हुए कहा कि उन्हें ईवीएम फोबिया हो गया है। उन्होंने कहा, ईवीएम नहीं जीताती, जनता जिताती है। भाजपा नेता का यह बयान उस वक्त आया, जब हाल ही में कमलनाथ ने आरोप लगाया था कि ईवीएम मशीनें हैक हो सकती हैं। वीडी शर्मा ने कांग्रेस पर पलटवार करते हुए कहा कि यह जनता की जागरुकता और उनके मतदान से तय होता है कि कौन सत्ता में आता है। उन्होंने कहा, कांग्रेस को जनता वोट नहीं दे रही है, इसलिए हार का ठीकरा ईवीएम पर फोड़ना उनकी आदत बन गई है। उन्होंने यह भी कहा कि भाजपा जनता के बीच जाकर जनसेवा और विकास के कार्यों के आधार पर समर्थन प्राप्त करती है, जबकि कांग्रेस केवल भ्रम फैलाने में लगी है।

नीट प्रवेश परीक्षा गरीब छात्रों के लिए घातक : एमके स्टालिन

» तमिलनाडु के सीएम ने की सर्वदलीय बैठक, केंद्र सरकार पर बरसे

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

चेन्नई। तमिलनाडु के सीएम एमके स्टालिन ने कहा कि नीट प्रवेश परीक्षा गरीबी में रहने वाले छात्रों को प्रभावित करती है। हमने तमिलनाडु के राज्यपाल को प्रस्ताव भेजा था, उन्होंने इसे राष्ट्रपति को भेजा होगा, लेकिन उन्होंने इस पर राजनीति की। हमने इस पर लड़ाई लड़ी। हमने राज्य विधानसभा में प्रस्ताव पारित किया और इसे फिर से राष्ट्रपति की सहमति के लिए राज्यपाल के पास भेजा। मैंने राज्यपाल से व्यक्तिगत रूप से मुलाकात की और अनुरोध किया। केंद्र सरकार ने भले ही हमारे विधेयक को खारिज कर दिया हो, लेकिन मेरा मानना है कि अगर हम कानूनी उपाय करना जारी रखते हैं, तो हम तमिलनाडु के लिए नीट छूट प्राप्त करेंगे।

भाजपा सरकार हमारे प्रस्ताव पर कर रही राजनीति

तमिलनाडु विधानसभा द्वारा पारित विधेयक में सरकारी संस्थानों में स्नातक चिकित्सा पाठ्यक्रमों के लिए नीट-आधारित प्रवेश से छात्रों को छूट देने की मांग की गई थी। सीएम स्टालिन ने केंद्र सरकार पर छूट के लिए राज्य के सुविचारित औचित्य की अनदेखी करने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि केंद्र ने तमिलनाडु सरकार द्वारा स्वास्थ्य, आयुष, गृह मंत्रालय और उच्च शिक्षा सहित कई केंद्रीय मंत्रालयों को प्रस्तुत विस्तृत स्पष्टीकरण को अनदेखा किया।

नाटक कर रही द्रमुक सरकार : पलानीस्वामी

केंद्र की कार्रवाई को सहकारी संघवाद के इतिहास में एक काला अध्याय बताते हुए, सीएम स्टालिन ने कहा कि यह राज्य विधानमंडल की गरिमा और तमिलनाडु के लोगों की लोकतांत्रिक इच्छा को कमजोर करता है। उन्होंने कहा कि राज्य भविष्य की कार्रवाई निर्धारित करने के लिए कानूनी विशेषज्ञों से परामर्श करेगा। मुख्यमंत्री ने विधेयक के विधायी इतिहास को याद करते हुए कहा कि इसे पहली बार 13 सितंबर, 2021 को विधानसभा में सर्वसम्मति से पारित किया गया था, जो सेवानिवृत्त उच्च न्यायालय के न्यायाधीश न्यायमूर्ति ए.के. राजन के नेतृत्व वाली एक उच्च स्तरीय समिति की सिफारिशों पर आधारित था।

ईडी ने केरल के पूर्व आईयूएमएल विधायक को किया गिरफ्तार

» 20 करोड़ के मनी लॉन्ड्रिंग मामले में हुई कार्रवाई

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। ईडी ने केरल के पूर्व विधायक एमसी कमरुद्दीन और उनके सहयोगी टीके पूकोया थंगल को 20 करोड़ रुपये की कथित धोखाधड़ी से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग मामले में गिरफ्तार किया है। मंजेश्वरम निर्वाचन क्षेत्र के पूर्व प्रतिनिधि और आईयूएमएल के नेता फैशन गोल्ड ग्रूप कंपनियों के अध्यक्ष भी रह चुके हैं। पूकोया थंगल इसी फर्म के प्रबंध निदेशक हैं। ईडी के अनुसार, निवेशकों से धोखाधड़ी की कई शिकायतों की जांच के बाद 7 अप्रैल को गिरफ्तारियां की गईं।

दोनों को कोझिकोड में धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए) की विशेष अदालत में पेश किया गया, जिसने आगे की जांच के लिए एजेंसी को दो दिन की हिरासत में दे दिया। ईडी ने कहा कि यह मामला केरल के कन्नूर और कासरगोड जिलों में पुलिस द्वारा दर्ज 168 एफआईआर पर आधारित है। इन एफआईआर में फैशन गोल्ड कंपनियों, कमरुद्दीन, थंगल और अन्य पर निवेशकों को धोखा देने का आरोप लगाया गया है। कथित तौर पर कंपनी ने उच्च रिटर्न का लालच देकर जनता से बड़ी मात्रा में धन एकत्र किया।

बंगाली इलाके में मछली की दुकानें बंद करा रहे भाजपाई : मोइत्रा

» टीएमसी सांसद का दावा- दिल्ली के सीआर पार्क में बवाल, आप भी हमलावर

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। तृणमूल कांग्रेस सांसद महुआ मोइत्रा ने दावा किया कि दक्षिणी दिल्ली के बंगाली बहुल चितरंजन पार्क इलाके में भाजपा से जुड़े लोग मछली की उन दुकानों को बंद करा रहे हैं, जो मंदिर के आसपास हैं। इसका एक वीडियो शेयर करते हुए सांसद ने एक्स पर लिखा कि ये देखिए, भगवा ब्रिगेड के भाजपाई दिल्ली के चितरंजन पार्क में मछली खाने वाले बंगालियों को धमका रहे हैं। लोगों का कहना है कि 60 साल में ऐसा कभी नहीं हुआ था। मोइत्रा के इस दावे पर दिल्ली पुलिस ने जांच शुरू कर दी है।

उधर, भाजपा ने इस दावे को सिरे से खारिज किया है। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष वीरेंद्र सचदेवा ने इस दावे की निंदा करते हुए पुलिस से सख्त कार्रवाई की गुजारिश की है। महुआ मोइत्रा के वायरल वीडियो में कुछ लोग कहते दिख रहे हैं कि मंदिर परिसर शुद्ध रहना चाहिए। मंदिर के साथ जो चीज हो रही है, वो कहीं न कहीं सभी सनातनियों को ठेस पहुंचा रही है। इसी वीडियो को शेयर करते हुए महुआ मोइत्रा ने एक के बाद एक एक्स पर कई पोस्ट की। तृणमूल सांसद ने लिखा कि सीआर पार्क में जिस मंदिर पर भाजपा के लोग दावा कर रहे हैं, उसे बाजार में नॉन वेज बेचने वालों ने बनवाया था। वह यहां पूजा करते हैं। बड़ी पूजा यहां होती है।

मंदिरों की पवित्रता का सभी को सम्मान करना चाहिए : सचदेवा

दिल्ली भाजपा अध्यक्ष वीरेंद्र सचदेवा ने एक बयान में कहा कि सभी को मंदिरों की पवित्रता का सम्मान करना चाहिए और सीआर पार्क में मछली बाजार के व्यापारियों ने हमेशा मंदिरों का सम्मान किया है। सचदेवा ने कहा कि मछली बाजार कानूनी रूप से आवंटित किए गए हैं और इस क्षेत्र में एक आवश्यकता है। मछली व्यापारी क्षेत्र में उच्च स्तर की स्वच्छता बनाए रखते हैं और नियमित रूप से सीआर पार्क की सामाजिक-धार्मिक गतिविधियों में भाग लेते हैं। महुआ मोइत्रा द्वारा सोशल मीडिया पर पोस्ट किया गया वीडियो ऐसा प्रतीत होता है कि सीआर पार्क में सामुदायिक सद्भाव को बिगाड़ने के लिए निहित राजनीतिक स्वार्थ वाले लोगों द्वारा तैयार किया गया है। बयान में कहा गया कि हम इस घटना की कड़ी निंदा करते हैं और दिल्ली पुलिस से सख्त कार्रवाई करने का अनुरोध करते हैं।

जीत की लय बरकरार रखना चाहेंगी दिल्ली-बेंगलुरु

» विराट और स्टार्क के बीच होगी टक्कर, राहुल और डुप्लेसिस पर रहेंगी नजरें

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

बंगलुरू। शानदार फॉर्म में चल रहीं दिल्ली और बेंगलुरु की टीमें आज आपस में भिड़ेंगी। बंगलुरू के चिन्नास्वामी स्टेडियम में विराट कोहली का सामना मिचेल स्टार्क से होगा। दिल्ली ने अब तक खेले सभी तीनों मुकाबले जीते हैं जबकि आरसीबी ने चार में तीन मैचों में जीत का स्वाद चखा है। दोनों टीमें क्रमश: पहले और तीसरे स्थान पर हैं। लेकिन दिल्ली के खिलाफ आरसीबी को सावधान रहना होगा। वैसे विराट के फॉर्म में आने से मेजबान टीम के हौसले बुलंद है। विराट कोहली को हालांकि आस्ट्रेलियाई तेज गेंदबाज मिचेल स्टार्क और बाएं हाथ के कलाई के स्पिनर कुलदीप यादव से पार पाना होगा। कोहली ने स्टार्क के खिलाफ टी20 क्रिकेट में 31 गेंद में 72 रन बनाए हैं। इस सत्र में स्टार्क तीन मैचों में 11 की औसत से नौ विकेट ले चुके हैं। पावरप्ले में स्टार्क और कोहली की भिड़ंत पर बहुत कुछ निर्भर करेगा। आरसीबी के लिए नई गेंद संभालने वाले जोश हेजलवुड और भुवनेश्वर कुमार पावरप्ले में प्रभावी रहे हैं। उन्हें दिल्ली के अनुभवी बल्लेबाज केएल राहुल पर लगाम लगानी होगी जो यहां के हालात से बखूबी वाकिफ हैं। दिल्ली की नजरें फाफ डुप्लेसिस की फिटनेस पर भी लगी होंगी जो चेन्नई के खिलाफ पिछला मैच नहीं खेल पाए थे।

गुजरात का विजयी चौका राजस्थान की तीसरी हार

अहमदाबाद। गुजरात टाइटंस ने राजस्थान रॉयल्स को 58 रन से हराकर जीत का चौका लगाया। पांच में से चार मुकाबले जीतकर शुभमन गिल के नेतृत्व वाली टीम अंक तालिका में आठ अंकों के साथ शीर्ष पर पहुंच गई। वहीं, राजस्थान को इस सत्र में तीसरी बार मुंह की खानी पड़ी है। गुजरात टाइटंस ने 20 ओवर में छह विकेट खोकर 217 रन बनाए। जवाब में राजस्थान की टीम 19.2 ओवर में 159 रन पर ऑलआउट हो गई। गुजरात के लिए प्रसिद्ध कृष्णा ने तीन विकेट झटके। 218 रन के लक्ष्य का पीछा करने उतरी राजस्थान के बल्लेबाजों ने निराशाजनक प्रदर्शन किया। साई सुदर्शन की तूफानी 82 रनों की पारी बदौलत गुजरात टाइटंस ने राजस्थान के सामने 218 रन का लक्ष्य रखा।

मोदी सरकार की सभी योजनाएं हवा हवाई : खरगे

देश में गरीब और अमीर के बीच की खाईं बढ़ती जा रही

» कांग्रेस के राष्ट्रीय अधिवेशन में उठा ईवीएम का मुद्दा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। कांग्रेस अहमदाबाद में दो दिवसीय सीडब्ल्यूसी बैठक कर रही है। इसके साथ ही कांग्रेस पार्टी ने मोदी सरकार के खिलाफ अपना अभियान तेज कर दिया है। अब कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने कहा कि सरकार की योजनाएं विफल हैं क्योंकि बेरोजगारी का मुद्दा अभी भी बड़ा बना हुआ है। देश में खतरा यह है कि पूरे भारत में बेरोजगारी बहुत ज्यादा है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री देश के गरीबों के बारे में नहीं सोच रहे हैं, लेकिन कांग्रेस देश की अखंडता की रक्षा करेगी और सभी समाजों के कल्याण के लिए काम करेगी। खरगे में कहा कि पूरी दुनिया के विकसित देश ईवीएम को छोड़कर बैलेट पेपर की तरफ चले गए हैं।

लेकिन हम ईवीएम पर निर्भर हैं। ये सब फ्रॉड है। सरकार ने ऐसे तरीके ईजाद कर लिए हैं, जिससे सिर्फ उन्हें ही फायदा मिल रहा है, लेकिन आने वाले समय में देश के नौजवान उठ खड़े होंगे और कहेंगे कि हमें ईवीएम नहीं चाहिए। उन्होंने कहा कि कांग्रेस की सोच है कि न किसी को हिमालय की चोटी पर बैठाना है और न किसी को पाताल में धकेलना है। ये गांधी जी के शब्द हैं और इस बात को आज मैं इसलिए दोहरा रहा हूं, क्योंकि आज देश में हालात ऐसे हैं, जहां गरीब और अमीर के बीच की खाई बढ़ती जा रही है। कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा कि सांप्रदायिक संस्थाओं, उनके जहरीले सिद्धांतों तथा कामों का सही उत्तर ये होगा कि कांग्रेस प्रबल जनमत तैयार करे ताकि वे प्रभावहीन हो जाएं। उन्होंने आरोप लगाया कि पिछले 11 वर्ष में सत्ताधारी दल संविधान पर चोट कर रहा है। हमारे संवैधानिक मूल्यों, संवैधानिक प्रावधानों, संवैधानिक संस्थाओं पर लगातार हमला हो रहा है और इसको रोकना जरूरी है। हाल में हुए संसद के बजट सत्र में सरकार ने मनमाने तरीके से सदन चलाया। सदन में नेता विपक्ष राहुल गांधी को बोलने नहीं दिया गया। लोकतंत्र में यह लज्जा की बात है। ये दिखाता है कि मौजूदा सरकार किस मानसिकता के साथ चल रही है, इसलिए हमें आवाज उठाना जरूरी है।

सत्ताधारी दल 11 वर्ष से संविधान पर चोट कर रहा

सरकार जनता से अपनी नाकामी छिपाना चाहती है

खड़गे ने दावा किया कि जन सरोकार के जरूरी मुद्दों पर बहस करने के बजाय सरकार सांप्रदायिक ध्रुवीकरण के लिए रात के तीन-चार बजे तक संसद में बहस कराती रही और मणिपुर जैसे मुद्दे पर रात के साढ़े चार बजे बहस शुरू होती है। हमने हमेशा मणिपुर के मुद्दे पर चर्चा करनी चाही, लेकिन कभी भी सरकार इसके लिए नहीं मानी। इसका मतलब है कि सरकार जनता से अपनी नाकामी छिपाना चाहती है। जब देश के लोग सो रहे थे, तब कई महत्वपूर्ण बिल आधी रात को सदन में लाए गए। यह सरकार आहिस्ता-आहिस्ता लोकतंत्र को खत्म कर रही है।

नेहरू की विरासत बेच रही मोदी सरकार

खरगे ने कहा कि आजादी के बाद जवाहरलाल नेहरू ने देश के निर्माण में अपनी भागीदारी निभाई। देश के लिए संपत्तियां बनाईं, लेकिन आज मोदी सरकार उन संपत्तियों को बेच रही है। नरेंद्र मोदी पोर्ट, एयरपोर्ट, पॉवर, खदानें, मीडिया हाउस, टेली-कम्युनिकेशन सेक्टर और सैटेलाइट प्रोजेक्ट बिना किसी ऑक्शन के अपने मित्रों को सौंप रहे हैं, जो कि राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए खतरा है। ये कोई व्यक्तिगत या पार्टी का मामला नहीं है, बल्कि देश से जुड़ा हुआ मामला है, इसलिए हम सभी को इस बारे में सोचना होगा।

ममता बनर्जी को जारी हुआ अवमानना नोटिस

» सुप्रीम कोर्ट के फैसले पर की थी टिप्पणी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

कोलकता। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी को एसएससी भर्ती घोटाले के संबंध में सुप्रीम कोर्ट के फैसले की आलोचना करने वाली उनकी हालिया टिप्पणियों के लिए अवमानना नोटिस जारी किया गया है। ममता बनर्जी ने कोलकाता के नेताजी इंडोर स्टेडियम में बर्खास्त शिक्षकों के एक वर्ग से मुलाकात की और उनका समर्थन करने की कसम खाई और आश्वासन दिया कि योग्य उम्मीदवार बेरोजगार नहीं रहेंगे। यह घटनाक्रम सुप्रीम कोर्ट द्वारा 2016 के पश्चिम बंगाल स्कूल सेवा आयोग भर्ती के माध्यम से की गई 25,752 स्कूल नौकरियों की नियुक्तियों को रद्द करने के फैसले को बरकरार रखने के कुछ दिनों बाद हुआ है।

ममता ने सुप्रीम कोर्ट के आदेश के बाद पश्चिम बंगाल सरकार द्वारा संचालित और सहायता प्राप्त स्कूलों में शिक्षण और गैर-शिक्षण कर्मचारियों के रूप में अपनी नौकरी खोने वाले लोगों को संबोधित करते हुए कहा कि कृपया यह मत समझिए कि हमने इसे स्वीकार कर लिया है। हम पत्थर दिल नहीं हैं, और ऐसा कहने के लिए मुझे जेल भी हो सकती है, लेकिन मुझे इसकी परवाह नहीं है। ममता बनर्जी ने सुप्रीम कोर्ट के फैसले पर सवाल उठाए हैं। उन्होंने बंगाल की शिक्षा व्यवस्था को बर्बाद करने की साजिश बताया है।

नेशनल कॉन्फ्रेंस भी जाएगी सुप्रीम कोर्ट

» उमर अब्दुल्ला ने वक्फ एक्ट के खिलाफ पार्टी के फैसले की दी जानकारी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

श्रीनगर। वक्फ एक्ट के खिलाफ नेशनल कॉन्फ्रेंस सुप्रीम कोर्ट जाएगी। इस बात की जानकारी जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने दी। उन्होंने कहा कि देश का एक बड़ा वर्ग इस बिल से नाराज है और उन्हें लगता है कि सरकार उनके धार्मिक मामलों में दखल दे रही है। उन्होंने साफ तौर पर कहा कि वक्फ संशोधन अधिनियम की कोई जरूरत नहीं थी। एक धर्म को निशाना बनाया जा रहा है। गैर-मुस्लिमों को वक्फ गतिविधियों की समीक्षा करने की अनुमति दी जा रही है। उमर अब्दुल्ला ने सवाल किया कि क्या आप गैर-हिंदुओं को श्री माता वैष्णो देवी श्राइन बोर्ड या श्री अमरनाथ जी श्राइन बोर्ड की गतिविधियों पर नजर रखने की अनुमति देते हैं?

क्या वे किसी गैर-सिख को एसजीपीसी की गतिविधियों पर नजर रखने की अनुमति दे सकते हैं? हालांकि, जम्मू-कश्मीर के राजनीतिक नेताओं ने उमर पर सवाल उठाना शुरू कर दिया है और कहा है कि अल्पसंख्यक मामलों के मंत्री ने संसद में वक्फ विधेयक पेश किया और उमर उनके लिए लाल कालीन बिछा रहे हैं।

सीएम ने की रिजिजू से मुलाकात

उमर अब्दुल्ला ने एशिया के सबसे बड़े ट्यूलिप गार्डन में केंद्रीय मंत्री किरेन रिजिजू से मुलाकात की। विपक्षी दलों ने इस मुलाकात की कड़ी आलोचना की और इसे वक्फ कानून के प्रति सौहार्दपूर्ण रवैया करार दिया। इस मुलाकात के दौरान फारूक अब्दुल्ला भी मौजूद थे।

देश में मुसलमानों के विचारों का कोई महत्व नहीं : मुफ्ती

पीडीपी की अध्यक्ष महबूबा मुफ्ती ने कहा कि केंद्रीय मंत्री किरेन रिजिजू का कश्मीर दौरा ऐसा लगता है जैसे यह योजनाबद्ध और जानबूझकर किया गया था ताकि यह संकेत दिया जा सके कि देश में मुसलमानों के विचारों का कोई महत्व नहीं है। एक्स पर एक पोस्ट में पीडीपी अध्यक्ष ने कहा कि एशिया के सबसे बड़े ट्यूलिप गार्डन का दौरा मुस्लिम समुदाय के हाशिए पर होने और शक्तिहीन होने का सार्वजनिक उत्सव जैसा लगा। पोस्ट में लिखा गया है कि संसद में वक्फ संशोधन विधेयक को पारित कराने के बाद, मंत्री किरेन रिजिजू ने रणनीतिक रूप से कश्मीर का दौरा करने का फैसला किया। भारत के एकमात्र मुस्लिम बहुल राज्य के मुख्यमंत्री ने उनका भव्य स्वागत किया - ऐसा लगता है कि यह कदम भारत भर के 24 करोड़ मुसलमानों को यह संकेत देने के लिए जानबूझकर उठाया गया था कि जब देश के एकमात्र मुस्लिम बहुल क्षेत्र का नेता उनके समर्थन में खड़ा हो, तो उनके विचारों का कोई महत्व नहीं रह जाता। एशिया के सबसे बड़े ट्यूलिप गार्डन की पृष्ठभूमि में की गई यह यात्रा समुदाय के हाशिए पर होने और शक्तिहीन होने का सार्वजनिक उत्सव जैसा लग रहा था। मुफ्ती ने अपने एक अन्य पोस्ट में लिखा कि मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला के कार्यों ने न केवल मुस्लिम समुदाय के भीतर अलगाव और असहायता की भावना को गहरा किया है, बल्कि इस एकतरफा निर्णय को वैधता भी प्रदान की है, जिसे व्यापक रूप से मुसलमानों के हितों की अनदेखी के रूप में माना जाता है।

16 अप्रैल को होगी वक्फ कानून की याचिकाओं पर सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट वक्फ (संशोधन) अधिनियम की संवैधानिक वैधता को चुनौती देने वाली याचिकाओं पर सुनवाई के लिए तैयार हो गया है। भारत के मुख्य न्यायाधीश संजीव खन्ना की अध्यक्षता वाली की पीठ 16 अप्रैल को याचिकाओं पर सुनवाई करेगी।

सीजेआई के साथ जस्टिस संजय कुमार और न्यायमूर्ति केवी विश्वनाथन तीन जजों की उस बेंच का हिस्सा होंगे, जो वक्फ कानून के खिलाफ याचिकाओं पर सुनवाई करेगी। केंद्र ने कैविएट में कहा था कोई भी आदेश पारित करने से पहले उसका पक्ष सुना जाय।

सुबह-सुबह हो गई रात, भारी बारिश

» लखनऊ में तेज हवाएं चलने से पारा लुढ़का

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। राजधानी में बृहस्पतिवार को सुबह होते ही घने काले बादलों और झोंकेदार हवाओं संग जमकर बरसात शुरू हुई। घने बादलों के चलते दिन में ही अंधेरा छा गया। तेज हवा से तापमान गिर गया और मौसम सुहाना हो गया। वरिष्ठ मौसम वैज्ञानिक ने बताया कि सक्रिय पश्चिमी विक्षोभ के असर से लखनऊ में पूर्वा और पछुआ हवाओं के समागम होने की वजह से यह आंधी और बरसात देखने को मिली है।

लखनऊ में सुबह 8:30 बजे तक 7 मिमी. बारिश दर्ज की गई। जबकि एयरपोर्ट के इलाके में यह 2 मिमी. रिकॉर्ड की गई। लखनऊ व आसपास के जिलों बाराबंकी, रायबरेली, सीतापुर आदि में भी अच्छी बारिश देखने को मिली।

गेहूं की फसल को हुआ नुकसान

इस आंधी और भारी बारिश से जिन किसानों की गेहूं की फसल अभी कटी नहीं है, उनके नुकसान की आशंका है। झोंकेदार हवाओं से गेहूं की फसल लेट गई।

भारत लाया गया मास्टरमाइंड तहव्वुर राणा

» दिल्ली की बढ़ाई गई सुरक्षा, मेट्रो स्टेशन के बंद हुए गेट

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। 26/11 मुंबई आतंकी हमले के मास्टरमाइंड तहव्वुर राणा को भारत लाया गया है। एनआईए और रॉ की टीम के सुरक्षा घेरे में स्पेशल प्लेन से वह दिल्ली एयरपोर्ट पर उतरा। तहव्वुर राणा को एयरपोर्ट पर ही एनआईए की टीम ने गिरफ्तार कर लिया। थोड़ी देर में कोर्ट में होगी पेशी। स्पेशल वेपन्स एंड टैक्टिक्स कमांडो वाहन पटियाला हाउस कोर्ट पहुंच चुका है। राणा पर भारतीय न्याय संहिता और गैरकानूनी गतिविधियां रोकथाम अधिनियम के तहत हत्या, भारत के खिलाफ युद्ध छेड़ने की साजिश और आतंकवादी कृत्यों के आरोप लगाए गए हैं। यदि दोषी ठहराया जाता है, तो उन्हें आजीवन कारावास या मृत्युदंड का सामना करना पड़ सकता है। सूत्रों के मुताबिक, जांच एजेंसी एनआईए और खुफिया एजेंसी रॉ की एक जॉइंट टीम राणा को लेकर स्पेशल फ्लाइट से अमेरिका से भारत पहुंचने वाली है. उसे पहले दिल्ली की तिहाड़ जेल में रखने की तैयारी है। बाद में मुंबई ले जाया जा सकता है।

जेल सूत्रों के मुताबिक, मुंबई जेल में उसे जेल की उसी कोठरी (बैरक नंबर 12) में रखा जा सकता है, जहां आतंकी अजमल कसाब को रखा गया था। दिल्ली एयरपोर्ट से तहव्वुर को एनआईए मुख्यालय ले जाने की तैयारी पूरी कर ली गई है। स्वाट कमांडो की टीम एयरपोर्ट पहुंच चुकी है। नई दिल्ली में स्थित जवाहर लाल नेहरू मेट्रो स्टेशन के गेट को बंद किया गया है। मेट्रो स्टेशन का गेट नंबर-2 बंद किया गया है। इस गेट से लोगों के एंट्री-एग्जिट करने पर रोक लगाई गई है।

26/11 मुंबई आतंकी हमला

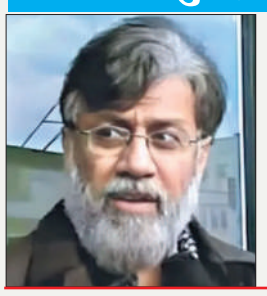

तिहाड़ जेल में ही रखा जाएगा

मुंबई में आतंकी हमले का मास्टर माइंड तहव्वुर राणा को देश की सबसे सुरक्षित तिहाड़ जेल में ही रखा जाएगा। इसे रखने के लिए एक हाई सिक्योरिटी वार्ड को खाली करवा कर वहां बेहद चाक चौबंद व्यवस्था कर ली गई है।

स्वामी 4 पीएम न्यूज नेटवर्क्स प्राइवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक संजय शर्मा द्वारा आस्था प्रिंटर्स, 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से मुद्रित एवं 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से प्रकाशित। महाराष्ट्र कार्यालय:- 2 जी, कृष्णा कुटीर सागरिका CHS जुहू तारा रोड जुहू- मुंबई- 400049। संपादक - संजय शर्मा, विधि सलाहकार: सत्यप्रकाश श्रीवास्तव, मोहम्मद हैदर, वित्तीय सलाहकार: संदीप बंसल, कार्टूनिस्ट: हसन जैदी, दूरभाष: 0522- 4078371 | Email: daily4pm@gmail.com | website: www.4pm.co.in | RNI-UPHIN/2015/62233 डाक पंजी. सं- SSP/LW/NP-495/2018-2020 *इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।